

वर्ष-4 | अंक-255 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, सोमवार, 9 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पानी की टंकी से मोबाइल तक, हर बूंद का हिसाब देगा 'जल प्रहरी'

मथुरा के 588 गांवों में जल जीवन मिशन के तहत प्रस्तावित व्यवस्था

आपूर्ति का समय-मात्रा जानने के साथ ऑनलाइन शिकायत भी कर सकेंगे ग्रामीण

यूनिक समय, मथुरा। गांव में पानी कब आएगा, कितनी देर तक नलों में बहेगा और कितनी मात्रा में मिलेगा, अब इन सवालों के जवाब के लिए ग्रामीणों को जल निगम के दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। मोबाइल पर 'जल प्रहरी' एप के जरिए पेयजल आपूर्ति से जुड़ी जानकारियां



हासिल करने और पानी न मिलने पर शिकायत दर्ज कराने की सुविधा मिलेगी। डिजिटल निगरानी की यह व्यवस्था गांवों में जलापूर्ति की स्थिति पर नजर रखने और शिकायतों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने में मददगार होगी।

शिकायत के लिए नहीं लगाने होंगे चक्कर

अब पानी की समस्या होने पर ग्रामीण अपनी शिकायत डिजिटल माध्यम से दर्ज करा सकेंगे। एप के डैशबोर्ड पर ब्लॉक स्तर के अधिकारियों के मोबाइल नंबर भी उपलब्ध रहेंगे। जरूरत पड़ने पर संबंधित अधिकारियों से सीधे संपर्क किया जा सकेगा। इससे शिकायतों को विभाग तक पहुंचाने में सहूलियत मिलेगी। फिलहाल एप सुविधा काम पूरा होने के बाद मिल सकेगी।

एप पर मिलेगी पानी की पूरी जानकारी

- **आपूर्ति का समय:** गांव में पानी कब आएगा और कब तक मिलेगा।
- **पानी की मात्रा:** संबंधित गांव को कितनी मात्रा में पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।
- **आपूर्ति में व्यवधान:** किस दिन या समय जलापूर्ति प्रभावित रहने की जानकारी।
- **अधिकारियों का विवरण:** अवर अभियंता और सहायक अभियंता के नाम, मोबाइल नंबर।
- **ऑनलाइन शिकायत:** पानी नहीं मिलने या आपूर्ति बाधित होने पर शिकायत दर्ज कराने की सुविधा।

मथुरा जनपद में जल जीवन मिशन के तहत 588 गांवों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था विकसित की जानी है। जिले के कुल 665 ग्रामीण गांवों में से 77 गांव जल निगम की पुरानी योजनाओं से आच्छादित हैं, जबकि शेष 588 गांव मिशन के दायरे में हैं। ऐसे में जलापूर्ति की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए डिजिटल माध्यम की अहम भूमिका होगी।

जल निगम ग्रामीण के अधिशासी अभियंता दिनेश कुमार के अनुसार, 'जल प्रहरी' एप के माध्यम से गांवों में पेयजल आपूर्ति से संबंधित विवरण देखा जा सकेगा।

इसमें पाइपलाइन, मोटर, पंप हाउस और पानी की टंकियों में उपलब्ध जल की मात्रा से जुड़ी जानकारी भी मिल सकेगी। आपूर्ति प्रभावित होने की स्थिति में संबंधित विवरण हासिल करने में भी एप मदद करेगा।

बांके बिहारी मंदिर में आस्था का अनादर,नालियों पर जलाए दीपक

यूनिक समय, वृंदावन। विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दीपावली पर श्रद्धालुओं की आस्था और धार्मिक भावनाओं को लेकर मंदिर प्रबंधन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए। दीपावली और कार्तिक महोत्सव जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर भी श्रद्धालुओं को अपने आराध्य के श्रीचरणों में दीपदान का अवसर नहीं मिल सका। लगातार दूसरे वर्ष दीपदान की समुचित व्यवस्था नहीं होने से भक्तों में नाराजगी दिखाई दी। हालात यह रहे कि श्रद्धालुओं को अपने साथ लाए दीपक मंदिर के बाहर नालियों के ऊपर जलाने पड़े।

श्रद्धालुओं का कहना है कि वे दीपावली पर ठाकुर बांके बिहारी के चरणों में दीपक अर्पित करने की भावना लेकर मंदिर पहुंचे थे, लेकिन मंदिर परिसर में दीपदान के लिए कोई उचित स्थान या वैकल्पिक व्यवस्था नहीं मिली। इसके चलते उन्हें मंदिर के बाहर नालियों के ऊपर दीपक जलाने पड़े। यह स्थिति श्रद्धालुओं के लिए निराशाजनक रही।

आरोप है कि मंदिर की हाई पावर प्रबंधन समिति दीपावली जैसे बड़े पर्व पर भी श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित दीपदान की व्यवस्था नहीं कर सकी। भक्तों का कहना



रविवार को बांकेबिहारी मंदिर में स्थान नहीं बनाए जाने के बाद नालियों पर दीपक जलाते श्रद्धालु।

है कि दीपावली और कार्तिक महोत्सव पर दीपदान ब्रज की पुरानी धार्मिक परंपरा का हिस्सा है। ऐसे में मंदिर प्रबंधन को श्रद्धालुओं के लिए पहले से ही उचित इंतजाम करने चाहिए थे।

लगातार दूसरे साल दीपावली पर मंदिर में नहीं हुई दीपदान की व्यवस्था

आराध्य के चरणों में दीप अर्पित करने आए भक्तों को हुई निराशा

वैकल्पिक इंतजाम नहीं होने पर मंदिर के बाहर नालियों पर जलाए दीपक

लगातार दूसरे वर्ष ऐसी स्थिति सामने आने से प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। श्रद्धालुओं ने मांग की है कि आगामी धार्मिक पर्वों पर दीपदान के लिए सम्मानजनक और सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भक्तों को अपने आराध्य के समक्ष दीप अर्पित करने से वंचित न होना पड़े। श्रद्धा का अनादर होने से श्रद्धालुओं और सेवायतों में आक्रोश व्याप्त है।

ठा.बांके बिहारी मंदिर में वर्दी का रौब, श्रद्धालुओं से बदसलूकी



बांकेबिहारी मंदिर में बुजुर्ग श्रद्धालु को धक्का मारने के बाद उंगुली दिखाता पुलिसकर्मी।

वृद्ध श्रद्धालु को धक्का देने और अभद्रता का आरोप

इंटरनेट मीडिया पर पुलिसकर्मियों के व्यवहार पर उठे सवाल

यूनिक समय, वृंदावन। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा की जिम्मेदारी संभालने वाली पुलिस ही यदि उनसे अभद्रता करने लगे तो सवाल उठना लाजिमी है। बिहारीजी मंदिर में एक पुलिसकर्मी के दुर्व्यवहार का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में पुलिसकर्मी महिलाओं के बीच खड़ा दिखाई दे रहा है। इसी दौरान पीछे से निकलने का प्रयास कर रहे एक वृद्ध श्रद्धालु को वह धक्का देता है और फिर उंगली दिखाकर उससे अभद्र लहजे में बात करता नजर आता है।

वीडियो में आसपास मौजूद अन्य लोगों के प्रति भी पुलिसकर्मी का व्यवहार तल्ख दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्यशैली और श्रद्धालुओं के साथ उसके व्यवहार को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, वीडियो की तारीख, स्थान और पूरे घटनाक्रम की पुष्टि नहीं हुई है। मंदिरों की नगरी में रोजाना देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद अब श्रद्धालु संबंधित अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर पुलिसकर्मी की पहचान और घटनाक्रम की जांच कराने की अपेक्षा कर रहे हैं। जांच में आरोप सही पाए जाने पर कार्रवाई भी जरूरी है, ताकि वर्दी की मर्यादा और श्रद्धालुओं का भरोसा कायम रहे।

शहर में 65 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले वसूले 70 करोड़

लक्ष्य को पीछे छोड़ बिजली विभाग ने की रिकॉर्ड वसूली

यूनिक समय, मथुरा। बिजली विभाग ने अक्टूबर माह में राजस्व वसूली के मामले में नया रिकॉर्ड कायम किया है। एक से 31 अक्टूबर तक चलाए गए अभियान में विभाग ने पूरे जिले में 147.28 करोड़ रुपये का राजस्व जमा कराया, जबकि वसूली का लक्ष्य 144.08 करोड़ रुपये निर्धारित था। इस तरह विभाग ने लक्ष्य से 3.20 करोड़ रुपये अधिक वसूली कर अपनी कार्यक्षमता का प्रदर्शन किया। शहर से लेकर देहात तक चलाए गए अभियान में विभागीय टीमों को अच्छी सफलता मिली।

शहर में भी बिजली विभाग लक्ष्य



से आगे रहा। यहां अक्टूबर माह में 65 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके सापेक्ष विभागीय टीमों ने 70 करोड़ रुपये जमा कराए। इस तरह शहर में लक्ष्य से पांच करोड़ रुपये अधिक राजस्व वसूला गया।

मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने

जिले में अक्टूबर माह में 147.28 करोड़ रुपये का राजस्व जमा

बॉडी कैमरों से लैस होकर अभियान चला रहीं विभागीय टीमें

बताया कि राजस्व वसूली बढ़ाने के लिए पूरे महीने योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक टीमों को सक्रिय रखा गया। अभियान में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए बिजली विभाग की टीमों को बॉडी कैमरों से लैस किया गया। इससे उपभोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच होने वाली बातचीत के साथ कार्रवाई की पूरी प्रक्रिया रिकॉर्ड हो सके।

उन्होंने बताया कि बॉडी कैमरों के इस्तेमाल से कार्रवाई में पारदर्शिता बनी रहती है और अनावश्यक विवादों की गुंजाइश कम होती है। विभाग का उद्देश्य राजस्व वसूली के साथ उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली सेवाएं उपलब्ध कराना भी है। इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं।



दीपों से जगमगाया ब्रज, आस्था और उल्लास का दिखा वैभव

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर कान्हा की नगरी में सुबह से ही उल्लास और उमंग का माहौल दिखाई दिया। शहर के होली गेट, छत्ता बाजार, चौक बाजार, भरतपुर गेट और कृष्णा नगर सहित प्रमुख बाजारों में दिनभर चहल-पहल रही। गांव और कस्बों में भी पर्व का अतिरेक दिखा। शाम होते ही घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों पर रंग-बिरंगी विद्युत झालरों और दीपों की रोशनी बिखरने लगी। गलियों से लेकर प्रमुख मार्गों तक सजे मकानों ने शहर की सुंदरता में चार चांद लगा दिए।

शुभ मुहूर्त में लोगों ने घरों में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। रविवार को परिवार के सभी सदस्य नए वस्त्र पहनकर पूजन में शामिल हुए। घरों के आंगन में रंगोली सजाई गई और दीप जलाकर सुख-समृद्धि की कामना की गई। कारोबारियों ने अपने प्रतिष्ठानों में बहीखातों और व्यापारिक उपकरणों का पूजन किया। दुकानों पर विशेष सजावट के साथ मां लक्ष्मी का दरबार सजाया गया। शाम होते ही द्वारकाधीश मंदिर, श्रीकृष्ण जन्मस्थान, रंगेश्वर महादेव मंदिर सहित शहर के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ गई। महिलाएं सज-धजकर पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में पहुंचीं। मंदिरों में देर शाम तक दर्शन और पूजन का सिलसिला चलता रहा। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की। बाजारों में मिठाई और


दीपावली पर लक्ष्मी-गणेश का पूजन।

मंदिरों में पूजा-अर्चना को देर शाम तक उमड़ीं महिलाएं

घरों और प्रतिष्ठानों में विधि-विधान से हुआ पूजन

उपहारों की दुकानों पर भी लोगों की भीड़ नजर आई। बच्चों में आतिशबाजी को लेकर खास उत्साह रहा। घरों में पकवान और मिठाइयां बांटकर पर्व की खुशियां साझा की गईं। लोगों ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मोबाइल फोन पर बधाइयों का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। दीपों की रोशनी और आतिशबाजी के बीच कान्हा की नगरी दीपावली के उल्लास में सराबोर नजर आई।



दीपावली पर वृंदावन की परिक्रमा में गूंजा राधे-राधे


दीपावली पर परिक्रमा लगाते श्रद्धालु।

यूनिक समय, वृंदावन। दीपावली पर्व पर धर्मनगरी में आस्था और भक्ति का माहौल नजर आया। श्रद्धालुओं ने राधे-राधे का जयघोष करते हुए परिक्रमा लगाई। सुबह से ही परिक्रमा मार्ग में भक्तों का आवागमन शुरू हो गया था। हालांकि अन्य प्रमुख धार्मिक पर्वों की अपेक्षा इस बार परिक्रमा करने वालों की भीड़ सामान्य रही, लेकिन दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

परिक्रमा मार्ग में स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ दूसरे शहरों से आए भक्त भी नजर आए। कई श्रद्धालु परिवार के साथ वृंदावन पहुंचे। उन्होंने ठाकुर जी के दर्शन और पूजा-अर्चना के बाद परिक्रमा पूरी की। रास्तेभर राधे-राधे के

सुबह से ही परिक्रमा मार्ग में शुरू हुआ श्रद्धालुओं का आवागमन

प्रमुख पर्वों की अपेक्षा भीड़ रही सामान्य, दिनभर लगी रही भक्तों की आवाजाही

जयकारों के बीच भक्त अपनी धार्मिक यात्रा पूरी करते रहे। दीपावली के चलते परिक्रमा मार्ग पर चहल-पहल बनी रही। श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण माहौल में परिक्रमा कर सुख-समृद्धि की कामना की। पर्व पर मंदिरों की नगरी में धार्मिक परंपरा और भक्ति की अनूठी छटा देखने को मिली।

धरा से आसमान तक आतिशबाजी की धूम, देर रात तक गूंजे धमाके

बच्चों से लेकर युवक-युवतियों और महिलाओं ने उठाया आतिशबाजी का आनंद, निर्धारित स्थलों के अलावा भी खूब हुई बिक्री

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर कान्हा की नगरी में आतिशबाजी का जमकर धूम-धड़ाका हुआ। रविवार को शाम ढलते ही घरों की छतों और खुले मैदानों से आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से नहा उठा। जमीन पर अनार और फुलझड़ियां चमकती रहीं तो आसमान में रॉकेट और रंगीन आतिशबाजी ने आकर्षण बिखेरा। देर रात तक पटाखों के धमाकों से शहर और देहात का वातावरण गूंजता रहा। बच्चों से लेकर युवक-युवतियों और महिलाओं तक ने आतिशबाजी का खूब आनंद लिया।

जिला प्रशासन ने आतिशबाजी की बिक्री के लिए आठ निर्धारित स्थानों पर अस्थायी बाजार लगाने की अनुमति दी थी। इनमें मथुरा शहर का रामलीला मैदान, लक्ष्मीनगर और सदर बाजार के अलावा वृंदावन, शेरगढ़, मांट, नौहझील और गोवर्धन शामिल रहे। इन स्थानों पर अस्थायी दुकानों के माध्यम से आतिशबाजी की बिक्री की गई। बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। हालांकि निर्धारित स्थलों के अलावा कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी आतिशबाजी की बिक्री हुई। कई जगह अस्थायी दुकानों पर सुरक्षा इंतजामों और लाइसेंस को लेकर सवाल उठे।

बाजार और बिना पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के आतिशबाजी की बिक्री से हादसों की आशंका भी बनी रही। दीपावली की रात घरों की छतों पर परिवार के सदस्य एकत्र होकर आतिशबाजी करते नजर आए। बच्चों में फुलझड़ी, अनार और चकरी को लेकर खास उत्साह रहा, जबकि युवाओं ने रॉकेट और रंगीन आतिशबाजी का आनंद लिया। देर रात तक आसमान में रोशनी के नजारे दिखाई देते रहे। आतिशबाजी के शोर के बीच दीपावली का उल्लास चरम पर रहा। वहीं, बिना लाइसेंस आतिशबाजी बिकने पर दुकानदारों ने प्रशासन का आभार भी जताया है।



रंगीन आतिशबाजी से चमकता आसमान।

आज भी हुई गोवर्धन पूजा, कल भी सजेगा गिरिराज महाराज का दरबार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पूजा को लेकर इस बार तिथियों के चलते असमंजस की स्थिति बनी हुई है। जनपद में कुछ श्रद्धालुओं ने सोमवार को गोवर्धन पूजा की, जबकि बड़ी संख्या में लोग मंगलवार को भी अन्नकूट और गोवर्धन पूजा करेंगे। पंचांग के अनुसार, तिथि और पूजा के मुहूर्त को लेकर अलग-अलग मान्यताओं के चलते दो दिन पर्व मनाया जा रहा है।

गोवर्धन पूजा पर घरों में गोबर से गोवर्धन महाराज की आकृति बनाकर पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं मंदिरों में अन्नकूट का आयोजन कर भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग और विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है।

गोवर्धन क्षेत्र में गिरिराज महाराज की परिक्रमा के लिए भी श्रद्धालुओं का पहुंचना जारी है। पर्व को लेकर मंदिरों और बाजारों में धार्मिक उत्साह दिखाई दे रहा है।

द्वारकाधीश मंदिर में गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव के हुए दर्शन


द्वारकाधीश मंदिर में सजाए गए गोवर्धन की पूजा करते भक्त।


सोमवार को द्वारकाधीश मंदिर में गो पूजा करते श्रद्धालु।

गोबर से गिरिराज पर्वत बनाकर विधि-विधान से की पूजा, शाम को अन्नकूट के दर्शन कर भक्त हुए निहाल

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी के दर्शन कर पुण्य-लाभ लिया।

मंदिर के विधि-मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागिश कुमार के आदेशानुसार सभी कार्यक्रम संपन्न कराए गए। सुबह 10 बजे मंदिर प्रांगण में गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत का स्वरूप तैयार किया गया। मंदिर के मुखिया सुधीर कुमार सहित अन्य लोगों ने दूध, दही, शहद और पूरी आदि से गिरिराजजी का विधि-विधान से पूजन किया। ठाकुरजी को भोग लगाया गया। मंदिर के कर्मचारियों ने गोवर्धन की परिक्रमा की। इस दौरान मौजूद श्रद्धालुओं ने भी उत्साह के साथ पर्व का आनंद लिया।

राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि गोवर्धन पर्वत धारण करने से ठाकुरजी को हुए श्रम की निवृत्ति के भाव से अन्नकूट महोत्सव मनाया जाता है। मंदिर में शाम चार से रात आठ बजे तक अन्नकूट महोत्सव के दर्शन खुले रहे। श्रद्धालुओं ने अन्नकूट के दर्शन कर ठाकुरजी का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर विधायक श्रीकांत शर्मा सहित मंदिर के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

राधा दामोदर मंदिर में गोवर्धन लीला ठाकुर जी को अर्पित किया अन्नकूट


ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में अन्नकूट प्रसाद के साथ विराजमान आराध्य।

यूनिक समय, वृंदावन। सप्त देवालयों में शामिल प्राचीन ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ठाकुर जी की विशेष सेवा-पूजा और मनोहारी श्रृंगार किया गया। भगवान को छप्पन भोग के साथ अन्नकूट का भोग अर्पित किया गया। गोवर्धन लीला के दर्शन के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

अन्नकूट भोग में कढ़ी, विभिन्न प्रकार के चावल, पापड़, चटनी, अचार, दही बड़े सहित अनेक व्यंजन शामिल रहे। ठाकुर जी को अर्पित भोग का प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण कर भक्तों ने स्वयं को सौभाग्यशाली माना। इस दौरान मंदिर परिसर श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंजता रहा। गोवर्धन पूजा से एक दिन पूर्व दीपावली की संध्या पर मंदिर में दामोदर लीला के विशेष दर्शन भी कराए गए। सेवायत कृष्ण बलराम गोस्वामी और पूर्ण चंद्र गोस्वामी ने बताया कि इस लीला में माता यशोदा द्वारा बाल कृष्ण को रस्सी से बांधने का सजीव स्वरूप प्रस्तुत किया गया। भगवान श्रीकृष्ण की इसी लीला के कारण कार्तिक मास को दामोदर मास कहा जाता है। इसी परंपरा के तहत मंदिर में प्रतिवर्ष कार्तिक मास के दौरान विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं। गोवर्धन लीला, अन्नकूट महोत्सव और दामोदर लीला ने ब्रज की प्राचीन भक्ति परंपरा को जीवंत कर दिया।

गंधक-पोटाश पीसते ही हुआ जोरदार धमाका, किशोर गंभीर

पत्थर के टुकड़े सिर में घुसे, दोनों हाथों की तीन हड्डियां टूटीं

चिंताजनक हालत में जयपुर रेफर, नाबालिग को विस्फोटक सामग्री बेचने पर सवाल



यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा क्षेत्र के कस्बा सौंख में रविवार शाम गंधक और पोटाश को एक साथ पीसते समय हुए जोरदार धमाके ने 13 वर्षीय किशोर को गंभीर घायल कर दिया। धमाका इतना तेज था कि जिस पत्थर पर दोनों पदार्थ पीसे जा रहे थे, उसके टुकड़े किशोर के सिर में जा घुसे। हादसे में उसके दोनों हाथों की तीन हड्डियां भी टूट गईं। गंभीर हालत में किशोर को जयपुर रेफर किया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, सौंख निवासी गौरव (13) पुत्र मानसिंह रविवार शाम आतिशबाजी चलाने के लिए बाजार की किसी दुकान से गंधक और पोटाश खरीदकर लाया था। रात करीब आठ बजे वह राधे खोखा के पास दोनों पदार्थों को मिलाकर पत्थर पर पीस रहा था। इसी दौरान अचानक तेज धमाका हो गया। विस्फोट की चपेट में आकर गौरव गंभीर घायल हो गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

परिजन आनन-फानन में उसे भरतपुर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने हालत चिंताजनक देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया।

नाबालिग को कैसे मिली विस्फोटक सामग्री

हादसे के बाद कस्बे में इस बात को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर एक दुकानदार ने 13 वर्षीय किशोर को गंधक और पोटाश क्यों बेची। यदि सामग्री बेचने में नियमों की अनदेखी हुई है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि गंधक और पोटाश को मिलाकर पीसने के दौरान हुए धमाके में पत्थर के टुकड़े लगने से किशोर घायल हुआ है। उसका जयपुर में उपचार चल रहा है। मामले की जांच की जा रही है।



किसान से लूट करने वाला बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल



गोली लगने से घायल बदमाश को ले जाते पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। किसान से दो लाख 18 हजार रुपये की लूट करने वाले बाइक सवार बदमाशों की थाना छाता पुलिस और स्वाट टीम से हाईवे पर मुठभेड़ हो गई। संस्कृति विश्वविद्यालय फ्लाईओवर के समीप हुई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश के कब्जे से लूट की रकम में से 52 हजार रुपये, तमंचा, कारतूस और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, स्वाट टीम और थाना छाता पुलिस गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि हाईवे पर किसान से लूट करने वाले बाइक सवार बदमाश किसी अन्य वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने हाईवे-19 स्थित संस्कृति विश्वविद्यालय फ्लाईओवर के समीप घेराबंदी कर चेकिंग शुरू कर दी। कुछ देर बाद एक बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो बाइक सवारों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसमें एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जबकि उसका साथी मौके से भाग निकला। पुलिस ने घायल बदमाश राहुल निवासी गांव छायसा, थाना छायसा, जिला फरीदाबाद को गिरफ्तार कर लिया।

उसके कब्जे से देशी तमंचा, कारतूस, 52 हजार रुपये और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, बरामद नकदी किसान से लूटे गए दो लाख 18 हजार रुपये का हिस्सा है। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फरार साथी की तलाश

52 हजार रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद

मुठभेड़ के दौरान साथी बदमाश फरार, घायल अस्पताल में भर्ती

आतिशबाजी से वृंदावन में दो फ्लैटों में लगी आग

यूनिक समय, वृंदावन। दीपावली की रात आतिशबाजी वृंदावन में दो परिवारों के लिए मुसीबत बन गई। अलग-अलग स्थानों पर बहुमंजिला इमारतों के दो फ्लैटों में आग लग गई। एक फ्लैट में जलता हुआ पटाखा गिरने से आग के साथ तेज धमाका हुआ। इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि कमरे की दीवार चटक गई और खिड़की-दरवाजे टूटकर सड़क पर जा गिरे। दोनों घटनाओं में लाखों रुपये का घरेलू सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

पहली घटना रमणरेती क्षेत्र में फोगला आश्रम के पीछे स्थित योगमाया धाम अपार्टमेंट की है। यहां पहली मंजिल पर बने फ्लैट में दीपावली की देर रात अचानक आग लग गई। फ्लैट मालिक आहूजा ने पंजाब निवासी चार युवकों को फ्लैट किराये पर दे रखा था। दीपावली पर चारों युवक अपने घर गए हुए थे और फ्लैट बंद था। बताया गया कि आतिशबाजी के दौरान एक जलता हुआ पटाखा फ्लैट के अंदर जा गिरा। इससे कमरे में रखे गद्दे में आग लग गई और देखते ही देखते तेज धमाका हो गया।



फोगला आश्रम के पीछे स्थित योगमायाधाम अपार्टमेंट के फ्लैट में लगी आग।

धमाके से कमरे की दीवार चटक गई और खिड़की-दरवाजे टूटकर सड़क पर गिर गए। इससे अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकलकर्मी श्याम सिंह के अनुसार, पटाखा वरुण गिरधर के कमरे में गिरा था।

दूसरी घटना रुक्मणि विहार स्थित कान्हा माखन कॉलोनी की है। यहां बहुमंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर बने फ्लैट में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और समय रहते आग पर काबू पा लिया। दोनों घटनाओं में फ्लैटों का घरेलू सामान जल गया, लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जलता पटाखा फ्लैट में गिरने से हुआ तेज धमाका, दीवार चटकी

खिड़की-दरवाजे टूटकर सड़क पर गिरे लाखों का सामान राख

दमकल की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

घरेलू क्लेश में युवक ने की खुदकशी

यूनिक समय, फरह। कस्बा में दीपावली के दिन एक युवक ने घरेलू क्लेश की वजह से खुदकशी कर ली। जानकारी पर परिजनों में हड़कंप मच गया। कस्बा के एक मंदिर के पुजारी के यहां कई दिन से क्लेश चल रहा था। रविवार दोपहर पुजारी के बेटे ने इसी क्लेश की वजह से खुदकशी कर ली। मृतक दो छोटे बच्चों का पिता भी था।

मकान में रखे कपड़ों के स्टॉक में लगी आग हजारों का नुकसान

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णानगर क्षेत्र के डी ब्लॉक में शनिवार रात साईं मंदिर के पास एक मकान में रखे कपड़ों के स्टॉक में अचानक आग लग गई। आग से हजारों रुपये के कपड़े जलकर राख हो गए। मकान से धुआं और लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, मकान धर्म चंद मल्होत्रा के पुत्र प्रियांक मल्होत्रा का बताया गया है। इसमें कपड़ों का स्टॉक रखा हुआ था। आग लगने से स्टॉक को काफी नुकसान पहुंचा। दमकल कर्मियों ने समय रहते आग को फैलने से रोक लिया, जिससे बड़ी घटना टल गई। फिलहाल आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है, संबंधित विभाग नुकसान का आकलन कर रहा है।

औरंगाबाद बाजार में बाइक ने चार बच्चों को रौंदा

दीपावली की रात खरीदारी के दौरान हुआ हादसा बाइक सवार फरार

किसी का हाथ तो किसी का पैर टूटा, सिर में भी आई चोटें

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र के औरंगाबाद बाजार में दीपावली की रात तेज रफ्तार बाइक ने चार बच्चों को टक्कर मारकर घायल कर दिया। हादसे में किसी बच्चे का हाथ तो किसी का पैर टूट गया, जबकि एक बच्चे के सिर में भी चोट आई है। दुर्घटना के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, दीपावली की रात औरंगाबाद बाजार में खरीदारी करने वालों की भीड़ लगी हुई थी। बाजार की रौनक देखने के लिए चार बच्चे भी वहां पहुंचे थे। इसी दौरान तेज गति से आए बाइक सवार ने चारों बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही बच्चे सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग घायल बच्चों को संभालने में जुट गए, लेकिन बाइक सवार मौका पाकर फरार हो गया। परिजन घायल बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल ले गए।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

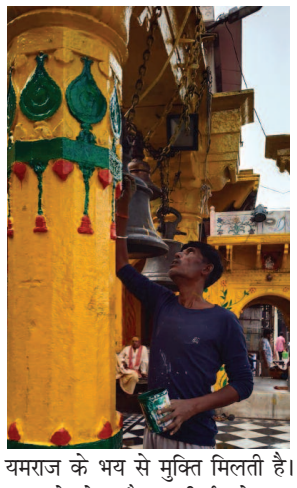
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



यम द्वितीया स्नान की तैयारियां तेज,घाटों पर सुरक्षा के इंतजाम

विश्राम घाट से पल्लीपार तक सफाई, रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटा नगर निगम, गहरे पानी में जाने से रोकने को लग रहीं बल्लियां





यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा के तहत भाई दूज पर बुधवार को यम द्वितीया का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर यमुना स्नान के लिए हजारों भाई-बहनों के मथुरा पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन और नगर निगम ने यमुना घाटों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी है।

यम द्वितीया पर यमुना में भाई-बहन के एक साथ स्नान करने की विशेष धार्मिक मान्यता है। मान्यता है कि इस दिन यमुना में स्नान करने से भाई को यमराज के भय से मुक्ति मिलती है। बहन के स्नेह और आशीर्वाद के साथ किया जाने वाला यह अनुष्ठान भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक माना जाता है।

इसी आस्था के चलते मथुरा में आसपास के जिलों के अलावा देश के विभिन्न प्रांतों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। पर्व पर विश्राम घाट सहित यमुना के अन्य प्रमुख घाटों पर तड़के से ही स्नानार्थियों की भीड़ उमड़ने लगती है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने विश्राम घाट से लेकर यमुना के पल्लीपार क्षेत्र तक व्यवस्थाएं संभालनी शुरू कर दी हैं। घाटों पर सफाई के साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जा रही है, ताकि सुबह और अंधेरे के समय श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो। वहीं, यमुना में गहरे पानी की ओर जाने से रोकने के लिए बल्लियां लगाई जा रही हैं। इन पर हरे रंग के संकेतक लगाए जा रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान क्षेत्र की जानकारी मिल सके। निगम की ओर से घाटों पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

51 फुट के गिरिराज, 22 फुट के श्रीनाथजी करेंगे भक्तों को निहाल



महाविद्या मैदान से निकाली गई कलश यात्रा में शामिल महिलाएं।

महाविद्या चौराहे पर दो दिन सजेगा आस्था का भव्य दरबार, तुलसी वन और गोबर से बने गिरिराजजी होंगे खास आकर्षण

यूनिक समय, मथुरा। महाविद्या चौराहा स्थित श्री गिरिराज जी मंदिर पर आस्था और भक्ति का भव्य उत्सव सजने जा रहा है। यहां सोमवार के अलावा 10 नवंबर को 28वां सामूहिक श्री गिरिराज पूजा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। महोत्सव में 51 फुट लंबे गिरिराजजी और 22 फुट ऊं चे श्रीनाथजी का भव्य स्वरूप श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा। गाय के गोबर से तैयार विशाल गिरिराजजी की आकृति के साथ तुलसी वन भी भक्तों को ब्रज की आध्यात्मिक छटा का अहसास कराएगा।

दो दिवसीय महोत्सव का सोमवार को दोपहर तीन बजे निकली भव्य शोभायात्रा से हुआ। श्री गिरिराज जी मंदिर महाविद्या से शुरू होकर शोभायात्रा गोविंद नगर का भ्रमण करते हुए मंदिर पर संपन्न हुई। 10 नवंबर को सुबह आठ बजे अभिषेक के साथ धार्मिक अनुष्ठान शुरू होंगे। शाम चार बजे फूल बंगला और छप्पन भोग के दर्शन होंगे। शाम सात बजे ब्रज के कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भक्ति रस बरसाएंगे। रात 12 बजे पांच प्रमुख आचार्यों द्वारा महाआरती की जाएगी।

महोत्सव में द्वाराचार्य राजेंद्र दास, मलूकपीठाधीश्वर सुतीक्षण दास, महामंडलश्वर राधा प्रसाद जू, महामंडलेश्वर नवलगिरी, रसिया बाबा और भागवत विदुषी कीर्तिकिशोरी का सानिध्य प्राप्त होगा। आयोजन के संस्थापक राजकुमार खंडेलवाल (सुपारी वाले) और समाजसेवी प्रमोद गर्ग कसेरे हैं।

अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल, महामंत्री अभिषेक अग्रवाल और कोषाध्यक्ष भारत वर्मा सहित समिति के पदाधिकारी-सदस्य आयोजन की तैयारियों में जुटे हैं। आयोजन समिति और श्री गिर्राज महिला मंडल ने श्रद्धालुओं से सपरिवार पहुंचकर गिरिराजजी की भक्ति और महोत्सव के दिव्य आयोजनों का आनंद लेने की अपील की है।

दीपावली के बाद सजे बाबा भूतेश्वर, दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली के अगले दिन सोमवार को शहर के प्रसिद्ध भूतेश्वर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया। बाबा भूतेश्वर को आकर्षक ढंग से सजाकर भव्य स्वरूप प्रदान किया गया। विशेष श्रृंगार के बाद दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना शुरू हो गया। भक्तों ने विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। श्रद्धालुओं ने बाबा भूतेश्वर के समक्ष परिवार की सुख–समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। बाबा के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर भक्त भाव–विभोर नजर आए।

दीपावली पर बेहाल रहा गेंदा, गुलाब बिका महंगा



दीपावली पर फरह कस्बा के पथवारी मंदिर चौक से फूल खरीदते ग्राहक।

कमल का एक फूल 40 से 100 रुपये तक मिला लोगों को

गुलाब 400 रुपये किलो एक माला मिलीं 150 से 200 रुपये में

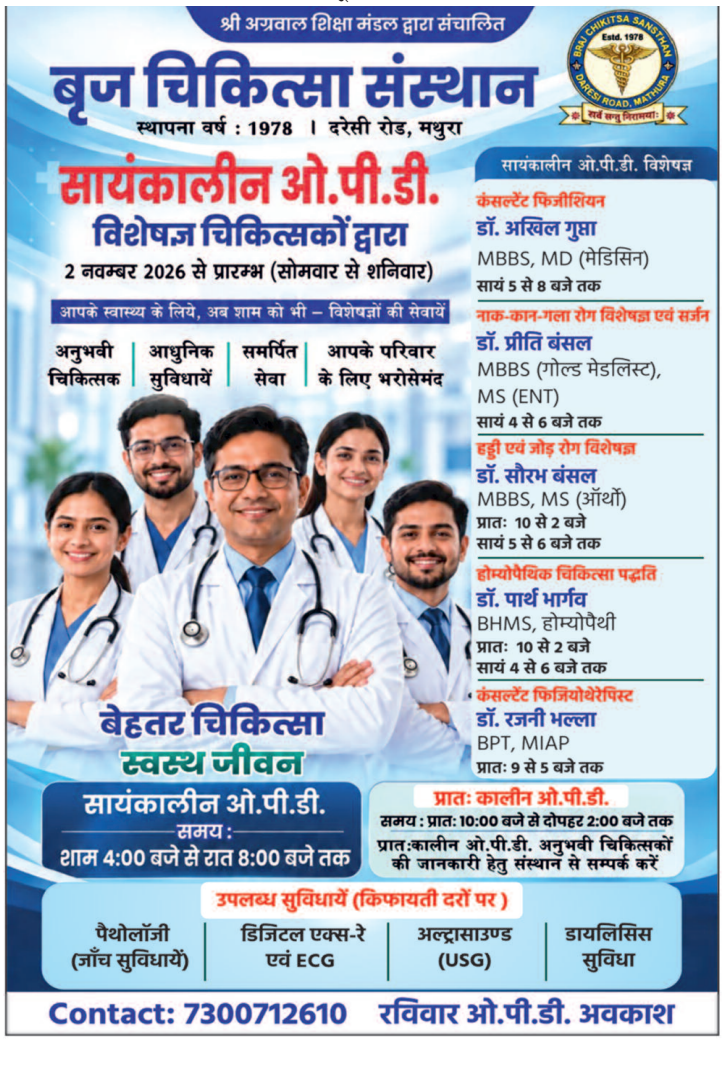
यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर पूजा-अर्चना और घरों की सजावट के लिए फूलों की मांग बढ़ी तो इनके दामों में भी उछाल आ गया। शहर और कस्बों के बाजार में गेंदा, गुलाब के फूल कहीं बेभाव और कहीं महंगे भाव पर बिके। सामान्य दिनों की अपेक्षा ग्राहकों को फूलों की खरीदारी के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ी। लक्ष्मी-गणेश पूजन से लेकर मंदिरों और घरों की सजावट तक फूलों की मांग बनी रही। कमल का एक फूल 40 से सौ रुपये तक में बिक गया।

दीपावली पर गेंदा के फूलों की माला 50 से 100 रुपये तक में बिकी। वहीं कमल के फूल की कीमत भी ग्राहकों की जेब पर भारी पड़ी। बाजार में एक कमल का फूल 40 से 100 रुपये तक में बेचा गया। गुलाब के दाम भी कम नहीं रहे। गुलाब करीब 400 रुपये प्रति किलो के भाव से बिका, जबकि इसकी एक माला के लिए ग्राहकों को 150 से 200 रुपये तक खर्च करने पड़े।

अलग-अलग बाजारों और दुकानों पर फूलों के दामों में अंतर भी देखने को मिला। कहीं गेंदा की माला 50 रुपये में उपलब्ध थी तो कहीं इसी माला के लिए 100 रुपये तक देने पड़े। त्योहार पर पूजा और सजावट की जरूरत के चलते लोगों ने महंगे दामों के बावजूद फूलों की खरीदारी की। गेंदा का भाव दीपावली पर बेभाव दिखा। भारी आवक होने से यह फूल सुबह सौ रुपये किलो और 11 बजे के बाद 50 रुपये किलो में आवाज लगाकर बेचा गया।

मीठी दीवाली में घुला डिब्बे के वजन का जहर

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपावली पर जब लोग अपनों का मुंह मीठा कराने के लिए बाजार पहुंचे तो हलवाइयों ने मिठास में मिलावट नहीं, बल्कि तराजू में ही सेंध लगा दी। नगर की लगभग हर बड़ी मिठाई की दुकान पर डिब्बे के साथ मिठाई तौलकर ग्राहकों की जेब काटी गई। खोया और काजू की मिठाई 800 से 1000 रुपये किलो बिकी, लेकिन हलवाइयों ने 200 से 250 ग्राम वजनी मोटे गत्ते के डिब्बे को ही मिठाई के साथ तौल दिया। यानी हर किलो मिठाई पर ग्राहक ने 200 रुपये सिर्फ डिब्बे के दिए। जब ग्राहकों ने इसका विरोध किया तो जवाब मिला कि पूरे बाजार में यही रेट और यही तरीका है। हैरानी की बात यह है कि किसी भी दुकान पर मिठाई के साथ उसकी निर्माण तिथि और एक्सपायरी डेट का स्टीकर तक नहीं लगा था। खाद्य सुरक्षा नियमों के अनुसार हर पैक मिठाई पर कब बनी और कब तक खानी है, लिखना अनिवार्य है। लेकिन यहां खुलेआम दो से तीन दिन पुरानी, बासी मिठाइयों को ताजा बताकर बेचा गया। कई दुकानों पर तो रेट लिस्ट भी गायब थी। दीपावली जैसे बड़े पर्व पर जहां खाद्य सुरक्षा विभाग और नापतौल विभाग को बाजार में उतरकर जांच करनी चाहिए थी, वहां दोनों विभाग दफ्तरों में ही बैठे रहे। विभाग की इस चुप्पी ने हलवाइयों को खुली छूट दे दी।



राधावल्लभ मंदिर में खेली चौसर लीला में जीतीं श्रीजी

यूनिक समय, वृंदावन। दीपावली पर धर्मनगरी के मंदिरों में भक्ति और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। प्रसिद्ध श्री राधावल्लभ मंदिर में दीपावली की रात पारंपरिक चौसर लीला का आयोजन किया गया। साल में केवल एक बार होने वाली इस लीला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर की प्राचीन सेवा परंपरा के अनुसार, ठाकुर श्री राधावल्लभ लाल और श्रीजी के मध्य चौसर खेलने की लीला भक्तों के सामने साकार की गई। इसमें श्रीजी यानी राधारानी की विजय हुई।

लीला के दौरान मंदिर के दो सेवायत पुजारियों ने भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराधा रानी के प्रतिनिधि के रूप में पासे फेंके। इस दौरान रसिक भक्तों ने पारंपरिक पदों का सस्वर गायन किया। 'खेलत चौसर मैंन की माई, हास सिंगार भाव अनुराग की सार बनी सुखदाई' जैसे पदों ने मंदिर परिसर को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर ठाकुर श्री राधावल्लभ लाल राजाधिराज स्वरूप में लाल रंग की आकर्षक पोशाक और मोर मुकुट धारण कर चांदी की हटरी में विराजमान हुए। उनके मनोहारी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने दीपदान कर सुख-समृद्धि की कामना की। सेवायत मोहित मराल गोस्वामी ने बताया कि चौसर लीला ब्रज की अनूठी भक्ति परंपरा और भाव की अलौकिक अभिव्यक्ति है। यह परंपरा ठाकुर जी और श्रीजी के दिव्य प्रेमभाव को दर्शाती है। दीपावली की रात होने वाली इस लीला का भक्तों को पूरे वर्ष इंतजार रहता है।



ठाकुर श्री राधावल्लभ लाल के सामने चौसर खेलते सेवायत।

साल में एक बार दीपावली की रात भक्तों के सामने बिछाई जाती है चौसर

चांदी की हटरी में राजाधिराज स्वरूप में विराजे राधावल्लभ लाल

पारंपरिक पदों के गायन से भक्तिरस में सराबोर हुआ मंदिर परिसर

जीएलए के पांच बायोटेक विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी


श्रेया शर्मा आदित्य वर्मा विशेष दीक्षित सृजात राय आदित्य माहेश्वरी

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के बीटेक बायोटेक्नोलॉजी के पांच विद्यार्थियों ने कैंपस प्लेसमेंट में सफलता हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अंतिम वर्ष के इन विद्यार्थियों का दो प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन हुआ है। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में उत्साह का माहौल है।

प्लेसमेंट प्रक्रिया के तहत नेशनल कमोडिटीज मैनेजमेंट सर्विसेज (एनसीएमएल), गुरुग्राम में श्रेया शर्मा और आदित्य वर्मा ने स्थान हासिल किया है। यह कंपनी कृषि एवं खाद्य उत्पादों के भंडारण, संरक्षण, गुणवत्ता परीक्षण, वेयरहाउसिंग और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करती है।

वहीं, इंटास फार्मास्यूटिकल्स, अहमदाबाद में विशेष दीक्षित, आदित्य माहेश्वरी और सृजात राय का चयन हुआ है। दवा अनुसंधान, विकास और निर्माण के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान रखने वाली इस कंपनी में चयन विद्यार्थियों के लिए करियर की नई राह खोलेगा।

बायोटेक्नोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. अंजना गोयल ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनकी मेहनत, लगन और विषय के प्रति समर्पण का परिणाम है।

एनसीएमएल और इंटास फार्मास्यूटिकल्स में मिला चयन, कैंपस प्लेसमेंट से विभाग में खुशी

विभाग में सैद्धांतिक शिक्षा के साथ प्रयोगशाला आधारित प्रशिक्षण और औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव पर जोर दिया जाता है। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के जनरल मैनेजर आशीष कुमार शर्मा और डिप्टी जनरल मैनेजर भरत कांत शर्मा ने कहा कि यह सफलता अभी शुरुआत है। विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और उद्योगों की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रशिक्षण का परिणाम है।

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

दीपावली के बाद मथुरा जंक्शन पर कम हुई यात्रियों की भीड़


सोमवार को जंक्शन पर पसरा सन्नाटा।

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली का त्योहार बीतने के बाद सोमवार को मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या में कमी देखने को मिली। स्टेशन के सभी प्लेटफार्मों पर सामान्य दिनों और दीपावली से पहले की अपेक्षा यात्रियों की आवाजाही कम रही। प्लेटफार्मों पर भीड़ कम होने से रेलवे अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

अधिकारियों का कहना है कि दीपावली के अगले दिन यात्रियों की संख्या में कमी आना सामान्य बात है। हालांकि, गोवर्धन पूजा, छठ पूजा और भाईदूज पर यात्रियों की संख्या में एक बार फिर इजाफा होने की संभावना है। त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने पहले से ही तैयारियां की हैं। गोवर्धन पूजा और भाईदूज पर यात्रियों की सुविधा के लिए कई स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा कुछ ट्रेनों का विस्तार भी किया गया है। छठ पर्व पर बिहार और पूर्वांचल की ओर जाने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए लंबी दूरी की कई ट्रेनों में अतिरिक्त सामान्य कोच लगाए गए हैं।

गोवर्धन पूजा और भाईदूज पर बढ़ेगी संख्या

स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि दीपावली के दूसरे दिन यात्रियों की संख्या में कमी आना सामान्य है। गोवर्धन पूजा, भाईदूज और छठ पर्व पर स्टेशन पर यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे की ओर से स्पेशल ट्रेनों का संचालन, ट्रेनों का विस्तार और अतिरिक्त कोच लगाने की व्यवस्था की गई है, जिससे त्योहारों के दौरान यात्रियों को आवागमन में परेशानी न हो।

त्योहारों को लेकर जंक्शन पर चला सघन चेकिंग अभियान


भूतेश्वर स्टेशन पर संदिग्ध की चेकिंग करते आरपीएफ थाना प्रभारी निरीक्षक यूके कौशिक और अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पूजा, भाई दूज और छठ पर्व के मद्देनजर रेलवे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर मथुरा जंक्शन सहित जिले के छोटे–बड़े सभी रेलवे स्टेशनों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन परिसर में पटाखों और ज्वलनशील सामग्री की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरती गई।

बीसीडीएस (बम निरोधक दस्ता) टीम और आरपीएफ पोस्ट जंक्शन के सहायक उप निरीक्षक मदनलाल ने पुलिस स्टाफ के साथ सुरक्षा अभियान संचालित किया। इस दौरान स्वान दस्ते की मदद से स्टेशन परिसर के विभिन्न संवेदनशील और महत्वपूर्ण स्थानों की गहन जांच की गई।

पटाखों और ज्वलनशील सामग्री की तलाश

चेकिंग के दौरान प्लेटफॉर्म, वेटिंग रूम, सर्कुलेटिंग एरिया और ट्रेनों में संदिग्ध व्यक्तियों, लावारिस वस्तुओं की विशेष रूप से जांच की गई। इसके साथ ही पार्सल और अन्य संदिग्ध सामग्री पर भी निगरानी रखी गई। यात्रियों के सामान की जांच कर पटाखे और अन्य ज्वलनशील वस्तुओं को रेलवे परिसर में ले जाने से रोकने के लिए सतर्कता बरती गई। आरपीएफ और बीडीएस टीम ने अभियान के दौरान यात्रियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया।

मौसम बदलते ही बढ़े वायरल के मरीज, ओपीडी में पहुंचे 420 रोगी


जिला अस्पताल में मरीजों का परीक्षण करते चिकित्सक डॉ. सिद्धार्थ धनगर।

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में बदलाव के साथ ही मौसमी बीमारियों ने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। ठंड बढ़ने से वायरल संक्रमण, खांसी-जुकाम और गले में खराश के मरीजों की संख्या में इजाफा होने लगा है। सोमवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में 420 मरीज उपचार कराने पहुंचे। इनमें सबसे अधिक मरीज वायरल संक्रमण से संबंधित शिकायतों वाले रहे।

सामान्य दिनों में जिला अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन करीब 1000 से 1250 मरीज पहुंचते हैं, लेकिन दीपावली के त्योहार के चलते मरीजों की संख्या में गिरावट आ गई थी। दीपावली के दूसरे दिन ओपीडी में करीब 450 मरीज ही पहुंचे थे। अब मौसम में बदलाव के साथ मरीजों की संख्या फिर बढ़ने लगी है।

सोमवार को फिजिशियन की ओपीडी में करीब 125 मरीज पहुंचे। इनमें लगभग 65 मरीज खांसी, जुकाम और गले में खराश की शिकायत लेकर आए। करीब 25 मरीज सिरदर्द से परेशान थे, जबकि 15 मरीजों में खून की कमी पाई गई। शेष मरीज अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए पहुंचे। इनमें शराब के सेवन से जुड़ी बीमारियों से पीकड़त मरीज भी शामिल रहे।

फिजिशियन की ओपीडी में 125 मरीज पहुंचे, 65 में खांसी–जुकाम के लक्षण

जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने बताया कि मौसम में उतार-चढ़ाव और ठंड के कारण वायरल संक्रमण के मरीज बढ़ रहे हैं। खानपान और दिनचर्या में लापरवाही भी बीमारियों की वजह बनती है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि खुले में रखी खाद्य सामग्री का सेवन न करें। ताजा और स्वच्छ भोजन करें, गुनगुना पानी पिएं। ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े पहनें और विशेषकर सुबह-शाम शरीर को अच्छी तरह ढककर रखें। उन्होंने कहा कि खांसी या छींक आने पर मुंह और नाक को ढकें, ताकि संक्रमण दूसरों तक न फैले। घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखें। बुखार, लगातार खांसी, सांस लेने में परेशानी या गले में अधिक दर्द होने पर खुद दवा लेने के बजाय चिकित्सक से परामर्श लें।

ईडी का फर्जी असिस्टेंट डायरेक्टर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का फर्जी असिस्टेंट डायरेक्टर बनकर करीब दो साल से अधिकारियों और आम लोगों पर रौब झाड़ रहे युवक की जालसाजी आखिरकार पकड़ में आ गई। नीली बत्ती लगी गाड़ी से घूमने वाले इस युवक की बातचीत और आत्मविश्वास ऐसा था कि अधिकारी भी उसकी असलियत पर शक नहीं कर पाते थे। सीओ रिफाइनरी प्रवीण तिवारी भी उसकी बातों में आ गए थे। संदेह होने पर उन्होंने जांच कराई तो फर्जी अधिकारी की पोल खुल गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

सीओ रिफाइनरी प्रवीण तिवारी के मुताबिक, आरोपी ने अपनी पहचान फरह थाना क्षेत्र के नगला बर निवासी सचिन शर्मा के रूप में बताई। दो दिन पहले वह उनके कार्यालय पहुंचा था। बातचीत के दौरान सचिन ने खुद को ईडी का असिस्टेंट डायरेक्टर बताते हुए अपनी नियुक्ति की कहानी सुनाई। उसने बताया कि वर्ष 2023 में यूपीएससी की मुख्य परीक्षा दी थी, लेकिन साक्षात्कार में सफल नहीं हो सका। इसके बाद


आरोपित सचिन

प्रतिभा पोर्टल के माध्यम से साक्षात्कार देकर तमिलनाडु में ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर पद पर नियुक्ति होने और फिर लखनऊ स्थानांतरण होने का दावा किया। उसने यह भी बताया कि अब वह मथुरा में ही रहता है। सचिन की नियुक्ति संबंधी कहानी पर सीओ को संदेह हुआ। उन्होंने वर्ष 2023 की यूपीएससी मुख्य परीक्षा का परिणाम डाउनलोड कर जांचा तो उसमें सचिन का नाम नहीं मिला। इसके बाद ईडी के डिप्टी डायरेक्टर से फोन पर संपर्क कर जानकारी की गई।

नीली बत्ती लगी गाड़ी से घूमता था, अधिकारियों को भी अपनी बातों में ले लेता था

सीओ रिफाइनरी भी आ गए थे झांसे में, यूपीएससी का रिकॉर्ड खंगालने पर खुली पोल

वहां से पता चला कि सचिन शर्मा नाम का कोई अधिकारी ईडी में तैनात नहीं है। जांच में फर्जीवाड़ा सामने आने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित से दो आधार कार्ड, एक एटीएम और एक आइडी कार्ड बरामद हुआ है। वहीं, जानकारों का दावा है कि युवक दो महीने से सीओ के पास टाउन शिप स्थित कार्यालय आता- जाता था। अपनी नीली बत्ती कार से सीओ को साथ भी ले जाता भी था।



दीपावली पर बुझा परिवार का चिराग मशीन में शॉल फंसने से युवक की मौत

गन्ने की जूस मशीन के साफ्ट में उलझी शॉल से गले में कसा फंदा

चार बेटियों और एक बेटे के सिर से उठा पिता का साया



घटनास्थल पर विलाप करते मृतक के परिजन।



मृतक देवराज का फाइल फोटो।

यूनिक समय, सुरीर। दीपावली पर वृंदावन जा रहे 28 वर्षीय युवक की गन्ने का जूस निकालने वाली मशीन में शॉल फंसने से दर्दनाक मौत हो गई।

मशीन के साफ्ट में शॉल उलझकर गले में फंदा बन गई और दम घुटने से युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में चार बेटियों और एक बेटे के सिर से पिता का साया उठ गया। त्योहार की खुशियां परिवार के लिए मातम में बदल गईं।

गौतमबुद्ध नगर जनपद के जेवर थाना क्षेत्र के सिरसा खादर, जेवर की मढैया निवासी देवराज पुत्र प्रेमराज रविवार सुबह गन्ने की जूस मशीन लेकर वृंदावन जा रहा था।

सुरीर क्षेत्र में परसोंती गढ़ी स्थित टीवीएस बाइक एजेंसी और कृष्णा ढाबे के सामने अचानक उसके गले में पड़ी शॉल मशीन के साफ्ट में फंस गई। मशीन चालू होने के कारण शॉल तेजी से खिंचकर गले में लिपट गई और फंदा कसने से उसकी सांसें थम गईं। हादसे के बाद मशीन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।

सूचना पर डायल 112 पुलिस और थाना प्रभारी अरुण कुमार डागर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एसएसआई वीरेंद्र कुमार, एसआई सोहनवीर सिंह और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मथुरा भेज दिया। हादसे की जांच की जा रही है। देवराज की शादी को आठ वर्ष हुए थे।

उसके परिवार में चार बेटियां और एक छोटा बेटा है। दीपावली के दिन परिवार का सहारा छिनने से पत्नी और बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जिस घर में त्योहार की खुशियां मनाई जानी थीं, वहां मातम पसरा है।

बच्चों की आतिशबाजी से रोशन हुआ आसमान

घर-घर विराजी मां लक्ष्मी विघ्नहर्ता गणेश की पूजा से गूंजा नगर

यूनिक समय, कोसीकलां। दीपों का पर्व दीपावली पूरे नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। कार्तिक अमावस्या की संध्या पर जैसे ही शुभ मुहूर्त शुरू हुआ, घर-घर में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना शुरू हो गई। पूरा नगर दीयों की रोशनी और मंत्रोच्चारण से जगमगा उठा।

दीपावली को लेकर सुबह से ही घरों में तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने घरों की साफ-सफाई कर मुख्य द्वार पर रंग-बिरंगी रंगोली बनाई। बाजारों में सुबह से ही पूजन सामग्री, दीये, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं खरीदने के लिए भीड़ लगी रही। संध्या होते ही महिलाओं और पुरुषों ने स्नान कर नए वस्त्र धारण किए। घर के पूजा स्थल पर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की। विधि-विधान से कुमकुम, अक्षत, फूल, धूप-दीप और नैवेद्य अर्पित कर पूजा की गई। पूजा के दौरान ऊं महालक्ष्म्यै नमरू मंत्रों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। लोगों ने धन, वैभव की देवी मां लक्ष्मी से परिवार में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा समाप्त होने के बाद बच्चों और युवाओं में आतिशबाजी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने घरों के आंगन और छतों पर फुलझड़ी, अनार, चकरी और रॉकेट चलाए। रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा आसमान जगमगा उठा। देर रात तक आसमान में आतिशबाजी का नजारा देखते ही बन रहा था। दीपावली पर लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर मिठाई बांटी और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। बुजुर्गों ने बच्चों को आशीर्वाद दिया। पूरा दिन खुशी और उमंग भरा रहा।

मंदिर की जमीन पर दो पक्ष भिड़े 36 से अधिक लोगों पर मुकदमा

ओवा गांव में दो पक्षों के बीच भिड़ंत

पुलिस ने 16 नामजद समेत 20 अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

यूनिक समय, शेरगढ़। थाना क्षेत्र के ओवा गांव में मंदिर की जमीन को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद ने देखते ही देखते मारपीट का रूप ले लिया। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद गांव से लेकर क्षेत्र तक चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

मामले में शेरगढ़ थाने में तैनात उपनिरीक्षक रविन्द्र ने दोनों पक्षों के 16 नामजद और करीब 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने वायरल वीडियो और घटना से जुड़े तथ्यों के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

वहीं, मंदिर के महंत श्यामदास बाबा ने दूसरे पक्ष के लोगों पर मंदिर की जमीन को लेकर विवाद करने का आरोप लगाया है। जमीन को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंचने से गांव में तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

11 नवंबर से बदल जाएगा बांके बिहारी मंदिर में दर्शन और आरती का समय

सुबह आठ से दोपहर 1:30 बजे तक होंगे दर्शन

शाम चार से रात नौ बजे तक श्रद्धालु कर सकेंगे दर्शन

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में 11 नवंबर से दर्शन और नित्य आरतियों के समय में बदलाव किया जाएगा। मंदिर प्रबंधन ने नई समय-सारिणी जारी कर श्रद्धालुओं से निर्धारित समय के अनुसार मंदिर पहुंचने की अपील की है। नई व्यवस्था के तहत सुबह आठ बजे से दोपहर 1:30 बजे तक दर्शन होंगे। सुबह 8:10 बजे श्रृंगार आरती और दोपहर 1:25 बजे राजभोग आरती होगी। वहीं, शाम को चार बजे से रात नौ बजे तक श्रद्धालु ठाकुर जी के दर्शन कर सकेंगे। रात 8:55 बजे शयनभोग आरती होगी। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि दर्शन के लिए पहुंचने से पहले नई समय-सारिणी का ध्यान रखें, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पंजाबी बाजार बना अखाड़ा, दिनदहाड़े दो गुटों में चले लात-घूंसे

दस मिनट तक सड़क पर होता रहा बवाल, एक युवक घायल

पुलिस पहुंचने से पहले भागे उपद्रवी, अब सीसटीवी से तलाश

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के व्यस्त पंजाबी बाजार में सोमवार सुबह युवाओं के दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। दिनदहाड़े चले लात-घूंसों से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। दुकानदारों और राहगीरों में दहशत फैल गई। करीब दस मिनट तक चले बवाल में एक युवक घायल हो गया। दुकानदारों ने बीच-बचाव कर दोनों गुटों को अलग किया, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही उपद्रवी फरार हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों गुटों के युवकों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। देखते ही देखते गाली-गलौज शुरू हो गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। दोनों ओर से युवकों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाने शुरू कर दिए। बाजार में मौजूद लोग तमाशबीन बने रहे। दुकानदारों ने हिम्मत जुटाकर बीच-बचाव किया और युवकों को अलग कर स्थिति संभाली। उनका कहना था कि समय रहते हस्तक्षेप नहीं होता तो मामला और गंभीर हो सकता था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक दोनों गुटों के युवक भाग चुके थे। पुलिस बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर मारपीट में शामिल युवकों की पहचान करने में जुटी है।

गोपाल सूर्यवंशी फिर बने बाजना मंडल एससी मोर्चा अध्यक्ष



बाजना मंडल एससी मोर्चा अध्यक्ष बनने के बाद समर्थकों के साथ गोपाल सूर्यवंशी।

यूनिक समय, बाजंना। भारतीय जनता पार्टी के सतीश वाल्मीकि ने संगठन के प्रति निष्ठा और कार्यशैली को देखते हुए गोपाल सूर्यवंशी को दोबारा बाजना मंडल एससी मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी पुनर्नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों में उत्साह है। मूल रूप से बाजना के आर्य नगर निवासी गोपाल सूर्यवंशी ने पिछले कार्यकाल में पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज के विभिन्न वर्गों को संगठन से जोड़ने का कार्य किया। उनके कार्यों को देखते हुए नेतृत्व ने एक बार फिर भरोसा जताया है। पुनर्नियुक्ति की सूचना मिलते ही समर्थक उनके आवास पर पहुंचे और फूल-मालाओं से स्वागत कर बधाई दी। इस मौके पर राजू सूर्यवंशी, कैलाश सूर्यवंशी, अमित सूर्यवंशी, सौरभ सूर्यवंशी, पंकज और मोनू सविता सहित अनेक लोग मौजूद रहे। सभी ने जिला अध्यक्ष सतीश वाल्मीकि और पार्टी नेतृत्व का आभार जताया।

गोवर्धन पूजा पर होगा 56 भोग का आयोजन

यूनिक समय, कोसीकलां। नारायणदास भक्तमाली आश्रम, तोताराम मंदिर, रामनगर में मंगलवार को गोवर्धन पूजा महोत्सव होगा। दोपहर 12 से 3 बजे तक अन्नकूट महाप्रसाद होगा। सायं 6.30 बजे विशाल छप्पन भोग दर्शन, गोवर्धन पूजा और आरती होगी। आयोजक महंत नरहरिदास ने श्रद्धालुओं से पधारने की अपील की।

रशियन बिल्डिंग के फ्लैट में मिला विदेशी कृष्ण भक्त का शव

दो-तीन दिन पुराना बताया जा रहा शव, बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को दी सूचना

यूनिक समय, वृंदावन। रमणरेती चौकी क्षेत्र स्थित रशियन बिल्डिंग में सोमवार को एक विदेशी कृष्ण भक्त का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। फ्लैट से तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तुड़वाकर अंदर प्रवेश किया तो बेड पर विदेशी नागरिक का शव पड़ा मिला। शव कई स्थानों पर नीला पड़ चुका था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया पुलिस मौत को स्वाभाविक मान रही है। जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर पुलिस को रशियन बिल्डिंग के फ्लैट नंबर 713 से बदबू आने की सूचना मिली थी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से फ्लैट का दरवाजा खुलवाया। अंदर बेड पर करीब 60 वर्षीय विदेशी नागरिक का शव मिला। कमरे की तलाशी के दौरान बैग से पासपोर्ट बरामद हुआ। इसके आधार पर मृतक की पहचान जेरार्डो एनरिक लील बीरियोंस निवासी रिपब्लिक ऑफ कोस्टारिका के रूप में हुई। पासपोर्ट में उनकी मां का नाम मायरा बीरियोंस दर्ज है। चौकी प्रभारी शुभांशु यादव ने बताया कि पड़ोस के फ्लैट में रहने वाले लोगों ने दुर्गंध आने की सूचना दी थी। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक शव दो से तीन दिन पुराना है। इसी कारण शरीर के कई हिस्से नीले पड़ गए थे। मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आवास दिलाने के बहाने युवती से दुष्कर्म का आरोप

यूनिक समय, वृंदावन। प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान आवंटित कराने का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। छाता निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि पांच नवंबर को अनिल नामक युवक ने फोन कर आवास आवंटित होने की जानकारी दी और प्रेम मंदिर के पास जमीन दिखाई। अगले दिन गेस्ट हाउस में अधिकारियों के आने का बहाना बनाकर बुलाया। आरोप है कि वहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ देकर उसे बेसुध कर दुष्कर्म किया और मोबाइल से फोटो खींच लिए। कोतवाली प्रभारी अश्विनी कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

मकान के बंटवारे को लेकर भिड़े दो परिवार, तीन घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट क्षेत्र के गांव केसरा कलां में दीपावली पर मकान और घर के बंटवारे को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। दोनों ओर से जमकर लाठी-डंडे चले, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी विजय सिंह और उसका छोटा भाई सतेंद्र सिंह नोएडा में रहते हैं। दोनों दीपावली का त्योहार मनाने गांव आए हुए थे। इसी दौरान घर और मकान के बंटवारे को लेकर विजय सिंह और परिवार के ही अरविंद के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। मारपीट में दोनों पक्षों के तीन लोग घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

52 पाल पंचायत का बड़ा फैसला दहेज और नशाखोरी पर लगेगी रोक

दहेज मांगने वालों का होगा सामाजिक बहिष्कार, नशे की बिक्री पर प्रतिबंध

शादी समारोहों में फिजूलखर्ची और दिखावे पर भी लगेगी लगाम

विधवा महिलाओं के सम्मान और सहायता का लिया संकल्प

यूनिक समय, कोसीकलां। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ 52 पाल पंचायत ने बड़ा कदम उठाया है। गांव बरहाना में आयोजित पंचायत की बैठक में दहेज प्रथा, नशाखोरी, कन्या भ्रूण हत्या और शादी समारोहों में फिजूलखर्ची पर रोक लगाने के लिए कड़े फैसले लिए गए। पूर्व प्रधान हरफूल पौनिया ने पंचायत के नए नियमों को पढ़कर सुनाया, जिन पर ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से सहमति जताई। पंचायत में समाज सुधार के इन फैसलों को धरातल पर उतारने की शपथ भी ली गई।

पंचायत ने स्पष्ट किया कि गांव में दहेज प्रथा को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। दहेज मांगने वाले परिवार का सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। कन्या भ्रूण हत्या को महापाप बताते हुए इसके खिलाफ सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया गया। पंचायत ने नशाखोरी पर भी कड़ा रुख अपनाते हुए शराब और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन-बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाने का भी प्रावधान रखा गया है।

शादी-विवाह में बढ़ते दिखावे और फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का भी निर्णय लिया गया। पंचायत का मानना है कि विवाह समारोह सादगी से होने चाहिए, ताकि गरीब परिवारों पर कर्ज का बोझ न पड़े। इसके साथ ही विधवा महिलाओं की सहायता करने और उनके सम्मान की रक्षा का संकल्प भी लिया गया।

पंचायत में ग्रामीणों ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ सामूहिक पहल से समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा। 52 पाल पंचायत के ये फैसले आने वाली पीढ़ी के लिए नई राह खोल सकते हैं। बैठक में विजेंद्र पहलवान, नवल किशोर पंडित, निरंजन पंडित, सोनू मैथिल, राजू गावर, सुंदर पटेल सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

सुविचार

किसी के चेहरे की मुस्कान बन सको तो समझना, जिंदगी का सबसे सुंदर काम कर लिया।

कल का पंचांग

तिथि	प्रतिपदा	12:32-02:00 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	विशाखा	07:24-09:19 तक	माह	कार्तिक
सूर्योदय		6:36 AM	चन्द्रोदय	07:34 AM
सूर्यास्त		5:30 PM	चंद्रास्त	05:54 PM
सूर्य राशि		तुला राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त		11:41AM –12:26 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:52-05:43
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		02:47 PM: 04:08 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

आज नहीं,कल होगी गोवर्धन पूजा



सुबह और शाम दोनों समय कर सकेंगे पूजन

गोवर्धन पूजा के लिए इस बार सुबह 6:40 से 8:50 बजे तक शुभ समय रहेगा। अभिजित मुहूर्त सुबह 11:44 से दोपहर 12:27 बजे तक और विजय मुहूर्त दोपहर 1:54 से 2:38 बजे तक रहेगा। शाम को गोधूलि मुहूर्त 5:31 से 5:57 बजे तक पूजा के लिए शुभ है। इसके अलावा सायंकालीन पूजन का समय दोपहर 3:46 से शाम 6:02 बजे तक बताया गया है।

भगवान कृष्ण को लगेगा 56 भोग गोबर से बनाएं गोवर्धन पर्वत, लगाएं अन्नकूट का भोग

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली के बाद मनाए जाने वाले गोवर्धन पूजा और अन्नकूट पर्व की तारीख को लेकर इस बार लोगों में असमंजस बना हुआ है। कुछ लोग 9 नवंबर को गोवर्धन पूजन की तैयारी कर रहे हैं तो कुछ 10 नवंबर को पर्व मनाने की बात कह रहे हैं। पंचांग के अनुसार कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 9 नवंबर को दोपहर 12:32 बजे शुरू होकर 10 नवंबर को दोपहर 2:01 बजे तक रहेगी। सूर्योदय के समय प्रतिपदा तिथि 10 नवंबर को विद्यमान रहने के कारण उदया तिथि के अनुसार गोवर्धन पूजा मंगलवार, 10 नवंबर को मनाई जाएगी। इसके अगले दिन 11 नवंबर को भाई दूज का पर्व मनाया जाएगा।

पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्रदेव के प्रकोप से ब्रजवासियों और गायों की रक्षा के लिए अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाया था। तभी से इस पर्व को मनाने की परंपरा चली आ रही है। इस दिन घर के आंगन में गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर फूलों और रंगोली से सजाया जाता है। रोली, अक्षत, पुष्प, धूप और दीप अर्पित कर पूजा की जाती है। इसके बाद सात परिक्रमा कर जल चढ़ाया जाता है। भगवान कृष्ण को खीर, कढ़ी–चावल, मिठाइयों, मौसमी सब्जियों और 56 प्रकार के पकवानों का भोग लगाया जाता है। इसे अन्नकूट कहा जाता है। इस दिन गौ–सेवा और गायों को हरा चारा खिलाने का भी विशेष महत्व है। यह पर्व प्रकृति, पशुधन और अन्न के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का संदेश देता है।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर
डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)
डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT
डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON
डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI
डॉ. नितेश जिंदल MBBS, MD, MEDICINE
डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &
डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T
डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH
डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का निःशुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है
आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

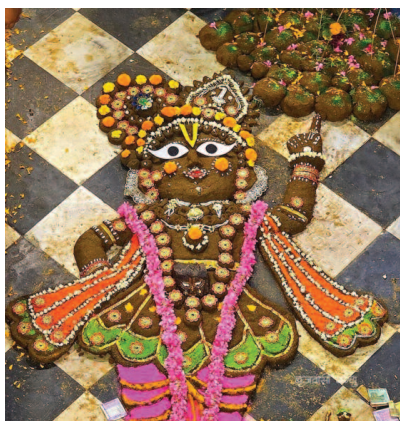


दीर्घ विष्णु मंदिर में गोवर्धन पूजा महोत्सव में अन्नकूट के दर्शन।

गोबर से ही क्यों बनता है गोवर्धन पर्वत

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पूजा पर घरों के आंगन में गाय के गोबर से पर्वत की आकृति बनाने की परंपरा सदियों पुरानी है। इसे केवल पूजा की रस्म नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का प्रतीक माना जाता है। इसके पीछे धार्मिक आस्था के साथ ग्रामीण जीवन और प्रकृति से जुड़ा गहरा संदेश भी छिपा है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्रदेव के बजाय गोवर्धन पर्वत, गायों और प्रकृति की पूजा करने का संदेश दिया था। इससे नाराज इंद्रदेव ने मूसलाधार बारिश शुरू कर दी। तब श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर सात दिनों तक ब्रजवासियों और गायों को आश्रय दिया। इसी लीला की स्मृति में गोवर्धन पूजा की जाती है।



गोबर से पर्वत बनाने के पीछे गाय के प्रति सम्मान की भावना भी जुड़ी है। पुराने समय में ग्रामीण जीवन गाय और पशुधन पर निर्भर था। गाय से दूध और गोबर से खेती, ईंधन तथा घरों की साफ–सफाई जैसे काम होते थे। इसलिए गोबर को धार्मिक परंपराओं में पवित्र स्थान मिला। कई जगह गोवर्धन पर्वत के साथ गाय और बछड़ों की आकृतियां भी बनाई जाती हैं। इन्हें फूलों, पत्तियों और रंगोली से सजाकर पूजा की जाती है। यह परंपरा बताती है कि मनुष्य का जीवन प्रकृति, पशुधन और खेती से गहराई से जुड़ा है।

श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला से जुड़ी है सदियों पुरानी परंपरा

श्रीकृष्ण ने पर्वत उठाकर बचाई थी ब्रजवासियों की जान

देवउठनी एकादशी के बाद बजेगी शहनाई, नवंबर–दिसंबर में सिर्फ 15 शुभ लग्न

यूनिक समय, मथुरा। चार महीने के चातुर्मास के बाद एक बार फिर मांगलिक आयोजनों की रौनक लौटने वाली है। देवउठनी एकादशी के साथ ही भगवान विष्णु योग निद्रा से जागेंगे और इसी के साथ शादी–विवाह, मुंडन, जनेऊ समेत अन्य शुभ कार्यों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। घरों में शहनाई गूंजने की तैयारियां तेज होंगी तो बाजारों में भी वैवाहिक खरीदारी की चहल–पहल बढ़ेगी। हालांकि, इस बार शादी की तैयारी कर रहे परिवारों के सामने शुभ तिथियों की कमी बड़ी चुनौती बनने वाली है। वर्ष 2026 के नवंबर और दिसंबर महीने में विवाह के केवल 15 शुभ लग्न शेष हैं। ऐसे में मनपसंद तारीख पाने के लिए परिवारों को पहले से ही तैयारियां करनी होंगी।



ज्योतिषाचार्य पं. अजय कुमार तैलंग के अनुसार, 20 नवंबर को देवउठनी एकादशी मनाई जाएगी। इस दिन भगवान विष्णु के जागने के साथ चातुर्मास समाप्त होगा और विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू हो जाएंगे। नवंबर महीने में 21, 22, 24, 25, 26 और 30 नवंबर को विवाह के लिए शुभ तिथियां हैं। वहीं दिसंबर में 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 11 और 12 दिसंबर को विवाह के लग्न बन रहे हैं। इस तरह दोनों महीनों को मिलाकर कुल 15 शुभ अवसर मिलेंगे। सीमित तारीखों के चलते मैरिज गार्डन, वैंक्वेट हॉल, कैटरिंग, बैंड–बाजा और सजावट से जुड़े कारोबारियों के यहां भी बुकिंग का दबाव बढ़ने की संभावना है।

दिसंबर में 12 तारीख के बाद विवाह के शुभ मुहूर्त उपलब्ध नहीं होंगे। सूर्यदेव के धनु राशि में प्रवेश के साथ खरमास शुरू हो जाएगा। हिंदू मान्यताओं के अनुसार इस अवधि में विवाह समेत कई मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। खरमास और पौष महीने के कारण शादी–विवाह के आयोजनों पर विराम रहेगा। इसके बाद नए शुभ मुहूर्त शुरू होने पर ही फिर से वैवाहिक आयोजनों की धूम दिखाई देगी। ऐसे में जिन परिवारों में इस साल शादी तय है, उनके लिए नवंबर और दिसंबर की तिथियां बेहद महत्वपूर्ण हैं। कम लग्न के चलते शादी की तारीख, विवाह स्थल और अन्य व्यवस्थाओं को समय रहते अंतिम रूप देना जरूरी होगा।

कम मुहूर्त के चलते मैरिज हॉल से लेकर बैंड–बाजे तक की बुकिंग में बढ़ेगी मारामारी

खरमास लगते ही थम जाएंगे मांगलिक आयोजन

दो महीने में सिमटी शहनाई की गूंज,खरमास के बाद ही फिर बजेगी शहनाई

सम्पादकीय

मिठाई के डिब्बों में पैक होकर जाती है परिवार की विरासत



पवन गौतम
संपादक

त्योहार आते ही घरों में सफाई, सजावट और पकवानों की तैयारी शुरू हो जाती है। बाजार में नई डिजाइन की झालरें आ जाती हैं, मिठाइयों के स्वाद बदल जाते हैं और पूजा के तरीके भी आधुनिकता का रंग पकड़ लेते हैं। लेकिन एक चीज है, जो आज भी नहीं बदली। वह है परिवार की परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की जिद। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले विरासत तांबे के बर्तनों में सहेजी जाती थी, अब वह मिठाई के डिब्बों में पैक होकर हजारों किलोमीटर दूर तक पहुंच रही है।

कभी दादी के लिए दीपावली का मतलब तांबे के पुराने हंडे को राख और इमली से चमकाना, उस पर शुभ चिन्ह बनाना और परिवार के लिए पारंपरिक स्नान की व्यवस्था करना होता था। उस दौर में न ऑनलाइन शॉपिंग थी, न सोशल मीडिया पर त्योहार की तस्वीरें डालने की होड़। फिर भी उत्सव में अपनापन भरपूर था। दादी ने परंपराओं को भाषण देकर नहीं, बल्कि अपने कामों से अगली पीढ़ी को सिखाया।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

इसके बाद मां की बारी आई। उन्होंने त्योहार को पकवानों और सरप्राइज का उत्सव बना दिया। चार दिन पहले से रसोई में मोर्चा संभाल लेती थीं। मिठाइयां बनती थीं और बच्चों से छिपाकर रखी जाती थीं। उस समय मिठाई का डिब्बा खोलना भी किसी खजाने की खोज से कम नहीं था।

अब जिम्मेदारी पत्नी की पीढ़ी पर है। बेटी विदेश में है तो मिठाइयां भी हवाई सफर के लिए तैयार हो रही हैं। कम चीनी, सीमित मात्रा और मजबूत पैकिंग का पूरा इंतजाम है। अब त्योहार में स्वाद के साथ कैलोरी, पर्यावरण और पैकेजिंग की चिंता भी शामिल हो गई है। पहले मां मिठाई छिपाती थीं, अब पत्नी उसे एयरपोर्ट की यात्रा के लिए सुरक्षित कर रही हैं।

विडंबना देखिए, तकनीक ने दूरियां बढ़ाई हैं तो वीडियो कॉल ने उन्हें घटाया भी है। लेकिन परिवार के हाथों से बनी मिठाई की जगह कोई डिजिटल शुभकामना नहीं ले सकती।

फंडा यह है कि त्योहार केवल कैलेंडर की तारीख या छुट्टी का नाम नहीं हैं। ये परिवार की यादों, संस्कारों और रिश्तों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का सबसे खूबसूरत माध्यम हैं। परंपराएं बदल सकती हैं, पैकिंग आधुनिक हो सकती है, लेकिन मिठास में अपनों का प्यार बना रहना चाहिए।

नजरिया

फ्रॉड की चोट पर मरहम लगाएंगे बैंक,जवाबदेही से नहीं बच पाएंगे

बोध प्रकाश सगुणी



डिजिटल इंडिया की चमक के पीछे साइबर अपराध का एक ऐसा अंधेरा तेजी से फैल रहा है, जिसकी चपेट में आकर आम आदमी की वर्षों की मेहनत की कमाई पलभर में गायब हो रही है। कभी बैंक अधिकारी बनकर फोन करने वाले ठग तो कभी पुलिस, सीबीआई और जांच एजेंसियों का अधिकारी बनकर डराने वाले साइबर अपराधी लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट जैसी नई ठगी की घटनाओं ने तो पढ़े–लिखे और आर्थिक रूप से संपन्न लोगों को भी चिंता में डाल दिया है। अब तक ऐसी घटनाओं के बाद पीड़ित के सामने सबसे बड़ा सवाल यही रहता था कि आखिर उसकी मेहनत की कमाई वापस कौन दिलाएगा? बैंक अपनी जिम्मेदारी से बचते थे, पुलिस जांच का हवाला देती थी और पीड़ित को केवल सावधानी बरतने की सलाह देकर व्यवस्था अपनी भूमिका पूरी मान लेती थी। ऐसे माहौल में सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख साइबर ठगी के शिकार लोगों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है।

अदालत ने साइबर धोखाधड़ी के मामलों में बैंकों की जवाबदेही को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। अदालत का स्पष्ट संदेश है कि यदि बैंक की लापरवाही, सुरक्षा व्यवस्था में कमी अथवा उचित सावधानी नहीं बरतने के कारण किसी ग्राहक को आर्थिक नुकसान होता है तो बैंक को उसकी भरपाई करनी होगी। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक साइबर ठगी की घटनाओं में जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा पीड़ित के सिर डाल दिया जाता था। उससे पूछा जाता था कि उसने ओटीपी क्यों बताया, पासवर्ड कैसे साझा किया या अनजान लिंक पर क्लिक क्यों किया? लेकिन यह सवाल शायद ही कभी गंभीरता से उठाया जाता था कि बैंक की सुरक्षा प्रणाली ने संदिग्ध लेनदेन को समय रहते क्यों नहीं पहचाना। आखिर बैंक केवल जमा धन रखने वाली संस्थाएं नहीं हैं, बल्कि ग्राहकों की वित्तीय सुरक्षा का भरोसा भी हैं।

साइबर अपराध का स्वरूप अब पहले जैसा नहीं रहा। अपराधी तकनीक के साथ मनोवैज्ञानिक दबाव का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लोगों को सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई का भय दिखाया जाता है। उन्हें विश्वास दिलाया जाता है कि वे किसी गंभीर मामले में फंस गए हैं और अपनी रकम की जांच कराने के लिए उसे बताए गए खातों में भेजना जरूरी है। भय और भ्रम की स्थिति में व्यक्ति अपनी समझदारी खो बैठता है। ऐसे मामलों में केवल जागरूकता का संदेश देना पर्याप्त नहीं है। जब अपराधी तकनीक और मनोविज्ञान दोनों का इस्तेमाल कर रहे हों तो बैंकिंग व्यवस्था को भी उसी स्तर की सतर्कता दिखानी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने साइबर धोखाधड़ी से होने वाले भारी आर्थिक नुकसान पर चिंता जताते हुए संदिग्ध लेनदेन की पहचान और तत्काल कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया है। यदि किसी ग्राहक के खाते में सामान्य गतिविधियों से बिल्कुल अलग अचानक बड़ी रकम का लेनदेन होता है तो बैंक को उसे गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसे लेनदेन की जांच के लिए प्रभावी निगरानी व्यवस्था जरूरी है। कई बार खाताधारक के वर्षों पुराने बैंकिंग व्यवहार से अलग अचानक बड़ी रकम का हस्तांतरण होता है, फिर भी बैंकिंग प्रणाली उसे सामान्य लेनदेन मानकर आगे बढ़ा देती है। यह स्थिति बदलनी होगी। बैंकों को ऐसी तकनीक विकसित करनी होगी जो संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर समय रहते जरूरी कदम उठा सके। इस पूरे अपराध तंत्र में म्यूल अकाउंट यानी ऐसे बैंक खाते भी बड़ी चुनौती हैं, जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम को एक खाते से दूसरे खाते में पहुंचाने के लिए किया जाता है। इन खातों के जरिए अपराधी अपनी पहचान छिपाते हैं और रकम को कई स्तरों पर स्थानांतरित कर देते हैं। सवाल यह है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खाते खुलते कैसे हैं? ऐसे खातों में लगातार संदिग्ध लेनदेन होने के बावजूद बैंकिंग व्यवस्था की निगरानी प्रभावी क्यों नहीं होती? केवाईसी प्रक्रिया का उद्देश्य केवल दस्तावेज जुटाना नहीं, बल्कि ग्राहक की वास्तविक पहचान सुनिश्चि त करना भी है। यदि इसी प्रक्रिया में खामियां रह जाती हैं तो साइबर अपराधियों के लिए रास्ते खुल जाते हैं। इसलिए बैंकों को केवाईसी व्यवस्था को महज औपचारिकता मानने के बजाय गंभीर सुरक्षा प्रक्रिया के रूप में लागू करना होगा। रिजर्व बैंक की भूमिका भी इस पूरे मामले में बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। अदालत ने संशोधित केवाईसी दिशा–निर्देशों में साइबर धोखाधड़ी के पीड़ितों को मुआवजा देने की व्यवस्था शामिल करने पर जोर दिया है। प्रस्तावित समयसीमा के अनुसार 30 नवंबर 2026 तक नए नियम अधिसूचित किए जाने हैं और 31 दिसंबर 2026 से इनके प्रभावी होने की बात कही गई है। इन नियमों में सबसे जरूरी बात यह होगी कि बैंक की लापरवाही और ग्राहक की चूक के बीच अंतर कैसे तय किया जाएगा। मुआवजे का दावा करने वाले प्रत्येक पीड़ित को लंबी कानूनी प्रक्रिया से न गुजरना पड़े, इसके लिए स्पष्ट और पारदर्शी व्यवस्था बनानी होगी। हालांकि, इस दिशा में सबसे बड़ी चुनौती जवाबदेही तय करने की होगी। बैंक यह तर्क दे सकते हैं कि ग्राहक ने स्वयं अपनी गोपनीय जानकारी साझा की थी, इसलिए नुकसान के लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं। दूसरी ओर, पीड़त का पक्ष यह होगा कि वह धोखेबाजों के मानसिक दबाव और सुनियोजित साजिश का शिकार हुआ। ऐसे मामलों में एक ही नियम सभी परिस्थितियों पर लागू करना उचित नहीं होगा। जांच में यह भी देखना होगा कि बैंक ने संदिग्ध गतिविधि पहचानने के लिए जरूरी कदम उठाए थे या नहीं, खाते की निगरानी में कोई चूक हुई थी या नहीं और शिकायत मिलने के बाद रकम रोकने के लिए कितनी तेजी से कार्रवाई की गई। आरबीआई को इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें वास्तविक पीड़ित को राहत मिल सके और नियमों का दुरुपयोग भी न हो। साथ ही पुलिस, बैंक और साइबर अपराध से निपटने वाली एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। ठगी की शिकायत मिलने के बाद शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। यदि बैंक तत्काल संदिग्ध खाते की पहचान कर संबंधित एजेंसियों को सूचना दें और आवश्यक कार्रवाई करें तो नुकसान को सीमित करने की संभावना बढ़ सकती है। इसके लिए शिकायत निस्तारण की समयसीमा और जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। दरअसल, डिजिटल लेनदेन की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होगी कि लोग कितनी आसानी से मोबाइल से पैसे भेज पा रहे हैं, बल्कि इससे भी तय होगी कि उनका पैसा कितना सुरक्षित है। ग्राहकों को सतर्क रहने की सलाह देना जरूरी है, लेकिन सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी उन पर डालना उचित नहीं है। बैंकिंग संस्थानों को भी अपनी तकनीकी और प्रशासनिक कमियों को स्वीकार करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने जवाबदेही का जो सवाल उठाया है, वह केवल साइबर ठगी के पीड़ितों के मुआवजे तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की पूरी डिजिटल बैंकिंग व्यवस्था में भरोसा कायम रखने से जुड़ा है। अब देखना यह है कि रिजर्व बैंक और बैंकिंग संस्थान इस न्यायिक पहल को कितनी गंभीरता से लागू करते हैं। क्योंकि डिजिटल भारत का सपना तभी सुरक्षित रह सकता है, जब ठगी का शिकार हुआ नागरिक अकेला न पड़े और उसकी मेहनत की कमाई की सुरक्षा व्यवस्था भी उतनी ही मजबूत हो, जितनी डिजिटल सुविधाओं की दुनिया।

विचार विंडो

मोटापे की जड़ विदेश में नहीं, हमारी रसोई में भी

राम प्रकाश शर्मा

भारत में जब भी कोई सामाजिक या स्वास्थ्य संबंधी समस्या सामने आती है तो उसके लिए पश्चिमी संस्कृति को कठघरे में खड़ा करना हमारी पुरानी आदत रही है। फास्ट फूड आया तो मोटापा बढ़ा, पिज्जा–बर्गर का चलन बढ़ा तो सेहत बिगड़ी और विदेशी जीवनशैली अपनाई तो बीमारियां घर करने लगीं। लेकिन जरा अपनी रसोई में झांककर देखिए। वहां समोसे, कचौड़ी, पूड़ी, भटूरे, जलेबी, गुलाब जामुन और हलवे की ऐसी लंबी फेहरिस्त मौजूद है, जिसके लिए किसी विदेशी संस्कृति का सहारा लेने की जरूरत ही नहीं है। सवाल यह है कि जब हमारी पारंपरिक थाली में इतने स्वाद मौजूद हैं तो हर समस्या का ठीकरा पश्चिम के सिर क्यों फोड़ा जाए?

दरअसल, भारत में मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। 15 से 49 वर्ष आयु वर्ग में लगभग हर तीन में से एक महिला और हर चार में से एक से अधिक पुरुष का वजन सामान्य से अधिक है या वे मोटापे से प्रभावित हैं। यह आंकड़ा केवल खानपान की पसंद का मामला नहीं, बल्कि बदलती जीवनशैली का संकेत भी है। हमारी थाली में भोजन की मात्रा बढ़ रही है, लेकिन शरीर की सक्रियता लगातार घट रही है। यानी खाने की रफ्तार तेज है और कैलोरी खर्च करने की व्यवस्था सुस्त पड़ती जा रही है।

हमारे यहां छोले–भटूरे को नाश्ता नहीं, कई बार पूरा उत्सव मानकर खाया जाता है। समोसे के साथ चाय, जलेबी के साथ रबड़ी और भोजन के बाद मिठाई खाना हमारी खानपान संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। त्योहार हों या शादी–ब्याह, मेहमाननवाजी का पहला पैमाना अक्सर



पकवानों की संख्या और मिठाइयों की विविधता बन जाता है। किसी को कम खाने की सलाह दे दी जाए तो मेजबान की भावनाएं आहत हो जाती हैं। कई बार तो आग्रह इतना होता है कि पेट की क्षमता से ज्यादा खाना भी रिश्तों की मजबूरी बन जाता है।

विडंबना यह है कि हम स्वाद के मामले में परंपरा का हवाला देते हैं, लेकिन भोजन की मात्रा और उसके संतुलन पर बात आते ही आधुनिकता को दोष देने लगते हैं। जलेबी और गुलाब जामुन भारतीय हैं, लेकिन अधिक मात्रा में इनका सेवन भी स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन सकता है। इसी तरह चावल, गेहूं और अन्य अनाज हमारे भोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, मगर जरूरत से ज्यादा मात्रा और कम शारीरिक सक्रियता परेशानी बढ़ा सकती है।

आर्थिक तरक्की ने हमारी थाली को पहले से अधिक विविध और समृद्ध बनाया है। जिन पकवानों को कभी खास अवसरों पर बनाया जाता था, वे अब रोजमर्रा के खानपान का हिस्सा बनने लगे हैं। आय बढ़ने के साथ भोजन की उपलब्धता बढ़ी है। बाजार में हर समय कुछ न कुछ खाने के विकल्प मौजूद हैं। पहले मिठाई त्योहार पर आती थी, अब छोटी–सी खुशी मनाने के लिए भी मिठाई का डिब्बा खुल जाता है।

इसके साथ ही काम करने का तरीका भी बदल गया है। पहले खेती, घरेलू कामकाज और रोजमर्रा की जरूरतों में शारीरिक श्रम अधिक शामिल था। अब मशीनों और सुविधाओं ने मेहनत कम कर दी है। दफ्तरों में घंटों बैठकर काम करना, छोटी दूरी के लिए भी वाहन का इस्तेमाल और खाली समय में मोबाइल या टेलीविजन के सामने बैठे रहना आम हो गया है। सुविधा ने जीवन आसान जरूर किया है, लेकिन शरीर की स्वाभाविक सक्रियता भी कम कर दी है।

कुछ दशक पहले किसी परिचित का वजन बढ़ा दिखाई देता था तो लोग कह देते थे कि अब तो खूब स्वस्थ दिख रहे हो। वजन कम होने पर चिंता जताई जाती थी। उस समय भरपेट भोजन मिलना ही परिवार की खुशहाली का प्रतीक माना जाता था। लेकिन समय बदल चुका है। अब भोजन की उपलब्धता से अधिक महत्वपूर्ण यह समझना है कि शरीर को कितनी और किस तरह के भोजन की जरूरत है।

भारत में मोटापे का संबंध आर्थिक स्थिति से भी जुड़ा रहा है। संपन्न परिवारों में अधिक भोजन, सुविधाजनक परिवहन और कम शारीरिक गतिविधि के कारण यह समस्या अधिक दिखाई देती रही है। हालांकि अब यह चुनौती अलग–अलग आय वर्गों तक पहुंच रही है। इसलिए इसे केवल अमीरों की समस्या या पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव मानना वास्तविकता से मुंह मोड़ने जैसा होगा।

मोटापे की चुनौती से निपटने के लिए किसी एक खानपान शैली को खलनायक बनाने के बजाय संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा। परिवारों में भोजन की मात्रा, पोषण और नियमित दिनचर्या को लेकर समझ विकसित करनी होगी। बच्चों को बचपन से ही भोजन के प्रति संतुलित नजरिया देना जरूरी है। घरों में पारंपरिक व्यंजन बने रहें, लेकिन उनके सेवन में संतुलन और विविधता का ध्यान भी रखा जाए।

दूसरी ओर, शारीरिक गतिविधियों को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाना होगा। पैदल चलना, खेलना, साइकिल चलाना और नियमित गतिविधियों के लिए समय निकालना जरूरी है। स्कूलों, कार्यस्थलों और शहरों की योजना में भी ऐसी सुविधाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए, जो लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने में मदद करें। जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह और उचित उपचार भी उपलब्ध होना चाहिए।

दरअसल, पश्चिमी संस्कृति को दोष देने से न तो हमारी थाली बदलने वाली है और न ही हमारी दिनचर्या। पिज्जा–बर्गर से दूरी बनाना अच्छी बात हो सकती है, लेकिन अगर उसके बदले रोज समोसे और कचौड़ी को ही प्राथमिकता दी जाए तो समस्या का समाधान नहीं होगा।

फंडा यह है कि मोटापे की चुनौती का जवाब संस्कृति की लड़ाई में नहीं, बल्कि संतुलित खानपान, बेहतर दिनचर्या और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में छिपा है। स्वाद का आनंद जरूर लीजिए, लेकिन स्वाद को सेहत पर हावी मत होने दीजिए। आखिर शरीर की जिम्मेदारी पश्चिम की नहीं, हमारी अपनी है।

आईपीएल 2027 में आठ खिलाड़ियों की अदला-बदली, पंत की दिल्ली में वापसी

मिनी ऑक्शन से पहले ट्रेड विंडो में बड़ा उलटफेर

कुलदीप लखनऊ पहुंचे सीएसके और एसआरएच के बीच चार खिलाड़ियों का लेनदेन



यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले ट्रेड विंडो में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आगामी सीजन के लिए फ्रेंचाइजी अपनी टीमों को मजबूत करने में जुटी हैं। इसी दौरान कुल आठ खिलाड़ियों की टीमें बदल गई हैं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स में वापसी और स्पिनर कुलदीप यादव के लखनऊ सुपर जाएंट्स में जाने की हो रही है। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच चार खिलाड़ियों की अदला-बदली हुई है। इस ट्रेड विंडो का सबसे बड़ा नाम ऋषभ पंत हैं। वह 15 करोड़ रुपये की ट्रेड वैल्यू के साथ लखनऊ सुपर जाएंट्स से दिल्ली कैपिटल्स में लौटे हैं। पंत ने दिल्ली के साथ ही आईपीएल में अपनी पहचान बनाई थी और टीम की कप्तानी भी की थी। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में लखनऊ ने उन्हें 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब उनकी वापसी से दिल्ली को बल्लेबाजी और नेतृत्व दोनों में मजबूती मिलने की उम्मीद है। वहीं, दिल्ली के स्पिनर कुलदीप यादव 13.50 करोड़ रुपये की ट्रेड वैल्यू पर लखनऊ सुपर जाएंट्स में शामिल हुए हैं।

तेज गेंदबाज टी नटराजन दिल्ली कैपिटल्स से पांच करोड़ रुपये में सनराइजर्स हैदराबाद पहुंचे हैं। इसके बदले हैदराबाद ने लेग स्पिनर जीशान अंसारी को 40 लाख रुपये की ट्रेड वैल्यू पर दिल्ली को सौंपा है। नटराजन पहले भी हैदराबाद के लिए खेल चुके हैं और डेथ ओवरों में अपनी सटीक यॉर्कर के लिए पहचाने जाते हैं। चेन्नई और हैदराबाद के बीच हुए चार खिलाड़ियों के ट्रेड में इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन छह करोड़ रुपये में चेन्नई पहुंचे हैं। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स भी तीन करोड़ रुपये में चेन्नई का हिस्सा बने हैं। दूसरी ओर, तेज गेंदबाज खलील अहमद 4.8 करोड़ रुपये और ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस दो करोड़ रुपये की ट्रेड वैल्यू पर चेन्नई से हैदराबाद चले गए हैं। लिविंगस्टोन की आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी स्पिन गेंदबाजी चेन्नई के मध्यक्रम को मजबूती दे सकती है, जबकि एलिस डेथ ओवरों में हैदराबाद के काम आ सकते हैं। इन आठ बदलावों के बाद आईपीएल 2027 में टीमों का संयोजन काफी बदला हुआ नजर आएगा।

सुरक्षा धमकी के बीच फैंस से मिले अमिताभ बच्चन, बिना बुलेटप्रूफ फ्रेम के आए नजर

जलसा के बाहर मनाया संडे ट्रेडिशन, अभिषेक बच्चन भी रहे साथ

हाथ में तकलीफ के चलते प्रशंसकों से मांगी माफी



यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने सुरक्षा संबंधी धमकियों और खराब सेहत की खबरों के बावजूद अपना वर्षों पुराना संडे ट्रेडिशन जारी रखा। रविवार शाम करीब 5:30 बजे वह मुंबई के जुहू स्थित अपने बंगले जलसा के बाहर पहुंचे और प्रशंसकों से मुलाकात कर उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उनके बेटे और अभिनेता अभिषेक बच्चन भी साथ मौजूद रहे। इस बार अमिताभ बच्चन बिना बुलेटप्रूफ फ्रेम के प्रशंसकों के सामने आए। इससे पहले पिछले रविवार वह सुरक्षा कारणों से बुलेटप्रूफ फ्रेम के पीछे दिखाई दिए थे। जलसा को धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने बंगले के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। इसके बावजूद बिग बी की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक पहुंचे। अमिताभ ने अपने निजी ब्लॉग पर भी दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए प्रशंसकों का आभार जताया। उन्होंने बताया कि प्रशंसकों से मिले उपहार और पत्र उनके लिए बेहद खास हैं। हालांकि, लिखने वाले हाथ में तकलीफ होने के कारण वह सभी पत्रों का जवाब समय पर नहीं दे पा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने प्रशंसकों से माफी भी मांगी और सभी के सुख, समृद्धि तथा अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

फराह खान के घर आग लगने की खबर निकली फर्जी

वायरल वीडियो पर भड़की फराह

बोली-क्लिकबेट के लिए गलत जानकारी न फैलाएं



यूनिक समय, नई दिल्ली। दिवाली के मौके पर फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान के घर में आग लगने की खबर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई। हालांकि, यह खबर पूरी तरह फर्जी निकली। मामले पर फराह खान ने खुद प्रतिक्रिया देते हुए गलत जानकारी फैलाने वाले ऑनलाइन पोर्टल्स को जमकर फटकार लगाई है। दरअसल, दिवाली के दिन एक पैपराजी पेज ने मुंबई की एक बिल्डिंग का वीडियो शेयर करते हुए दावा किया था कि फराह खान की बिल्डिंग में आग लग गई है। वीडियो में उनकी तस्वीर भी लगाई गई थी। जैसे ही फराह की नजर इस पोस्ट पर पड़ी, उन्होंने इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए सफाई दी। फराह ने बताया कि वीडियो में दिखाई गई बिल्डिंग उनकी नहीं, बल्कि निर्माणाधीन इमारत है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए लिखा, 'ऑनलाइन पोर्टल्स, कृपया जिम्मेदार बनें। यह एक निर्माणाधीन बिल्डिंग है। क्लिकबेट ही सब कुछ नहीं हो सकता।' बता दें कि फराह मुंबई के लोखंडवाला स्थित ओबेरॉय स्काई हाइट्स में परिवार के साथ रहती हैं। इससे पहले भी वह अपने कुक दिलीप के साथ बहस वाले वायरल वीडियो को लेकर चर्चा में थीं। उस समय उन्होंने लोगों से बिना पूरी सच्चाई जाने किसी नतीजे पर नहीं पहुंचने और उनकी निजता का सम्मान करने की अपील की थी। फराह अपने यूट्यूब व्लॉग्स के जरिए भी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं।

सोनू निगम के बेटे निवान का म्यूजिक डेब्यू

दिवाली पर सिंगर ने साझा की खुशखबरी

बेटे के बचपन से लेकर म्यूजिक इंडस्ट्री में कदम रखने तक का सफर किया बयां



यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर सिंगर सोनू निगम के बेटे निवान निगम ने भी म्यूजिक इंडस्ट्री में कदम रख दिया है। 19 साल की उम्र में निवान ने अपने पहले म्यूजिकल प्रोजेक्ट 'स्लाइड' के जरिए डेब्यू किया है। दिवाली के खास मौके पर सोनू निगम ने पत्नी मधुरिमा निगम के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फैंस को यह खुशखबरी दी। बेटे की इस उपलब्धि को लेकर सोनू काफी उत्साहित नजर आए। सोनू निगम ने अपने पोस्ट में निवान के बचपन से लेकर अब तक के सफर की झलकियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि कभी उनके सामने गाने में भी शर्मा ने वाला निवान आज अपने म्यूजिक करियर को लेकर गंभीरता से मेहनत कर रहा है। वह वोकल कोच से ट्रेनिंग लेने के साथ डांस रिहर्सल और फिटनेस पर भी ध्यान दे रहे हैं। सोनू के मुताबिक, निवान घंटों अभ्यास कर अपनी गायकी और परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने में जुटे हैं। उन्होंने मशहूर म्यूजिक प्रोडयूसर पू बियर के साथ स्टूडियो में रिकॉर्डिंग भी की है। सोनू ने बताया कि निवान ने चार साल की उम्र में स्टूडियो में 'कोलावेरी डी' गाया था, जबकि साढ़े चार साल की उम्र में मंच पर 'अभी मुझमें कहीं' की प्रस्तुति दी थी। सिंगर ने फैंस से बेटे को प्यार और आशीर्वाद देने की अपील की, ताकि वह मेहनत, जुनून और विनम्रता के साथ आगे बढ़ सके।

धोनी, अभिषेक शर्मा अन्य क्रिकेटर्स ने धूमधाम से मनाई दीवाली

सचिन तेंदुलकर ने पत्नी संग की लक्ष्मी पूजा

श्रेयस अय्यर और सुरेश रैना के फेस्टिव लुक ने खींचा फैंस का ध्यान



यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में 8 नवंबर को दिवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस खास मौके पर भारतीय क्रिकेटर्स भी जश्न में पीछे नहीं रहे। महेंद्र सिंह धोनी से लेकर अभिषेक शर्मा और सचिन तेंदुलकर तक कई खिलाड़ियों ने अपने परिवार के साथ दिवाली मनाई और सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कर फैंस को शुभकामनाएं दीं। पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी की पत्नी साक्षी ने दिवाली सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर कीं। इनमें धोनी हल्के हरे रंग के कुर्ते में, जबकि साक्षी काले रंग की पारंपरिक ड्रेस में नजर आईं। बेटी जीवा के साथ तीनों माथे पर तिलक लगाए दिखाई दिए। वहीं, युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने भी परिवार के साथ दिवाली मनाई। इस दौरान वह पर्पल रंग के पारंपरिक कपड़ों में नजर आए। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने पत्नी अंजलि के साथ घर पर लक्ष्मी पूजन किया।

दोनों हाथ जोड़कर पूजा करते दिखाई दिए। दूसरी ओर, सुरेश रैना ने पत्नी प्रियंका के साथ तस्वीरें साझा कर सभी को बधाई दी। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी ऑफ-व्हाइट कुर्ते और नेहरू जैकेट में अपने स्टाइलिश अंदाज में नजर आए। क्रिकेटर्स की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

यूथ ओलंपिक में शौर्या आंबुरे ने जीता ब्रॉन्ज, बनाया पर्सनल बेस्ट

100 मीटर हर्डल्स में 13.59 सेकंड का समय निकालकर रचा इतिहास

18 महीने में तीसरा अंतरराष्ट्रीय मेडल किया अपने नाम



यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत की 17 वर्षीय एथलीट शौर्या आंबुरे ने सेनेगल की राजधानी डकार में आयोजित हो रहे 2026 यूथ ओलंपिक गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने रविवार को महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ (हर्डल्स) के फाइनल में 13.59 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। खास बात यह रही कि इस प्रदर्शन के साथ शौर्या ने अपना पर्सनल बेस्ट रिकॉर्ड भी बनाया। वह इस प्रतियोगिता में ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली इकलौती एथलीट थीं। इस मुकाबले में चीन की झांग केयी ने 13.17 सेकंड का समय निकालकर गोल्ड मेडल जीता। हालांकि, उनका यह समय विंड-असिस्टेड था। उन्होंने सेमीफाइनल में 13.77 सेकंड का समय निकालकर अपना पिछला सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड बेहतर किया। शौर्या आंबुरे के लिए यह ब्रॉन्ज मेडल इसलिए भी खास है, क्योंकि पिछले 18 महीनों में वह तीन बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पदक जीत चुकी हैं। इससे पहले उन्होंने एशियन अंडर-18 चैंपियनशिप और एशियन यूथ गेम्स में भी मेडल हासिल किए थे। अब यूथ ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एक और बड़ी सफलता जोड़ ली है।

इतनी कम उम्र में लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करना भारतीय एथलेटिक्स के लिए उत्साहजनक है। डकार में चल रहे 2026 यूथ ओलंपिक गेम्स में भारत ने अब तक कुल 8 पदक जीते हैं। इनमें 3 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। भारतीय दल फिलहाल मेडल टैली में 36वें स्थान पर है। शौर्या की इस उपलब्धि से भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा है और उनसे आने वाले मुकाबलों में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

पाकिस्तान के चार खिलाड़ियों का टेस्ट डेब्यू तैयब को मिली ओपनिंग की जिम्मेदारी

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में बाबर आजम ने उतारी युवा टीम

रावलपिंडी में टॉस जीतकर मेहमान टीम ने चुनी गेंदबाजी



यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 9 नवंबर से रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में पाकिस्तान ने बड़ा बदलाव करते हुए एक साथ चार खिलाड़ियों को टेस्ट डेब्यू का मौका दिया है। इनमें तैयब आरिफ, मोहम्मद ताहा, अराफात मिन्हास और साकिब खान शामिल हैं। खास बात यह है कि 20 साल के तैयब आरिफ को अपने डेब्यू मुकाबले में ही ओपनिंग करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैच में श्रीलंका के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि पिच पर थोड़ी घास और नमी मौजूद है, लेकिन उनकी टीम हर सेशन में अपनी रणनीति के मुताबिक खेलने की कोशिश करेगी। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का अच्छा मौका बताया। बाबर के मुताबिक टीम में मोहम्मद अब्बास, सउद शकील और सलमान आगा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी मौजूद हैं। दोनों देशों के बीच अब तक 60 टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं। इनमें पाकिस्तान ने 23 और श्रीलंका ने 17 मैच जीते हैं, जबकि बाकी मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।

लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर पलटी यात्रियों से भरी बस, दो लोगों की मौत

राजस्थान से बिहार के छपरा जा रही थी बस

बच्चों समेत करीब 65 यात्री थे सवार, 48 घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती



यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह यात्रियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई यात्री घायल हो गए। बस राजस्थान के अलवर से बिहार के छपरा जा रही थी। दुर्घटना पारा थाना क्षेत्र के जीरो पॉइंट मोहान के पास हुई। हादसे के समय बस में बच्चों समेत करीब 65 यात्री सवार थे। बस पलटने के बाद कई यात्री उसके अंदर फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर सर्विस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। सरोजनीनगर के अग्निशमन अधिकारी सुमित प्रताप सिंह ने फायर सर्विस कर्मियों के साथ बचाव अभियान की कमान संभाली। पलटी हुई बस में फंसे बच्चों और अन्य यात्रियों को बाहर निकालने के लिए बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस और फायर सर्विस की संयुक्त टीम ने सभी फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया। इसके बाद घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के मुताबिक, 13 यात्रियों को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 35 घायलों का इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। हादसे में जान गंवाने वाले दोनों लोगों की पहचान और अन्य जरूरी जानकारियां जुटाई जा रही हैं। इस दुर्घटना के बाद बस में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने का मामला भी सामने आया है। बस में करीब 65 यात्रियों के सवार होने की बात कही जा रही है, जबकि आरटीओ प्रवर्तन के मुताबिक वाहन की निर्धारित क्षमता केवल 41 यात्रियों की थी। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्षमता से अधिक यात्रियों को लेकर बस एक्सप्रेसवे पर कैसे चल रही थी। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

दीपों से जगमगाई काशी, गंगा घाटों पर हुई आतिशबाजी

बाबा विश्वनाथ और मां अन्नपूर्णा धाम में जले हजारों दीप

रंग–बिरंगी रोशनी से नहाए घर और गलियां



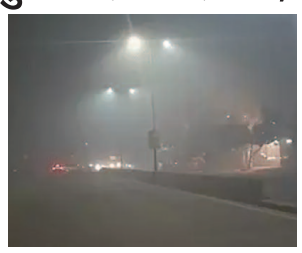
यूनिक समय, काशी। दीपावली की रात धर्मनगरी काशी रोशनी से जगमगा उठी। शहर का नजारा ऐसा था, मानो पूरी काशी अयोध्या बन गई हो। घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों, गलियों और सड़कों से लेकर गंगा के घाटों तक दीपों की चमक दिखाई दी। लोगों ने अपने घरों में माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा–अर्चना कर सुख–समृद्धि की कामना की। इसके बाद दीप जलाकर दीपावली का उत्सव मनाया। बाबा विश्वनाथ मंदिर और मां अन्नपूर्णा धाम के प्रांगण में भी बड़ी संख्या में दीप जलाए गए। मंदिरों की सजावट और दीपों की रोशनी ने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। वहीं, मां गंगा की विश्व प्रसिद्ध आरती के दौरान हजारों दीपों से घाटों का नजारा दिव्य हो गया। गंगा तट पर महिलाओं और श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर पर्व की खुशियां साझा कीं। अस्सी घाट समेत शहर के अन्य घाटों पर गंगा आरती के बाद जमकर आतिशबाजी हुई। आसमान रंग–बिरंगी रोशनी से भर गया। घरों की छतों और घाटों पर देर रात तक पटाखे फोड़े जाते रहे। शहर की इमारतें रंग–बिरंगी झालरों से सजी नजर आईं।

गंगा आरती के मंच से देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं भी दी गईं। रोशनी, पूजा और आतिशबाजी के बीच काशी में दीपावली का उत्सव धूमधाम से मनाया गया।

पटाखों के धुएं से कानपुर की हवा जहरीली, एक्यूआई 1483 पहुंचा

देश के टॉप–पांच प्रदूषित शहरों में शामिल हुआ कानपुर

सुबह धुंध और ठंडी हवाओं का असर



यूनिक समय, कानपुर। दीपावली पर हुई आतिशबाजी के बाद कानपुर की हवा बेहद जहरीली हो गई। पटाखों से निकले धुएं के कारण शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 1483 तक पहुंच गया। रविवार रात करीब 11:30 से 12 बजे के बीच कानपुर देश के पांच सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल रहा। हालांकि, रात 12:30 बजे एक्यूआई घटकर करीब 1344 पर पहुंचा, जिसके बाद शहर प्रदूषित शहरों की सूची में आठवें स्थान पर आ गया। सोमवार सुबह भी प्रदूषण के कारण शहर में हल्की धुंध छाई रही और दृश्यता कम हो गई। जहरीली हवा के चलते लोगों को सांस लेने में परेशानी, गले में खराश, खांसी और आंखों में जलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

विशेषज्ञों ने प्रदूषण का स्तर सामान्य होने तक सुबह की सैर और खुले में व्यायाम से बचने की सलाह दी है। जरूरत पड़ने पर बाहर निकलते समय एन95 मास्क लगाने को कहा गया है। मौसम की बात करें तो सोमवार सुबह ठंडी हवाओं से हल्की ठंडक महसूस हुई। मौसम साफ रहने के कारण दोपहर में धूप निकलने और अधिकतम तापमान करीब 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। शाम होते ही तापमान में गिरावट आने से फिर ठंड बढ़ सकती है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पांडेय के अनुसार, नवंबर में तापमान में उतार–चढ़ाव जारी रहेगा। सीएसए की रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

प्रयागराज के थाने में वकीलों का अनोखा धरना, रातभर किया डांस

यूनिक समय, प्रयागराज। सिविल लाइंस थाने में वकीलों का अनोखा विरोध प्रदर्शन चर्चा का विषय बना हुआ है। पिछले तीन दिनों से वकील थाने के अंदर ही दरी, गद्दा, चादर और मच्छरदानी लेकर डेरा जमाए हुए हैं। दिनभर धरना देने के बाद वे रात में फिल्मी गानों पर डांस करते हैं। दीपावली की रात भी वकील अपने घर नहीं गए और थाने में ही गाने बजाकर जमकर झूमे। वकीलों के धरने का अंदाज भी अलग है। कभी वे 'नाकाबंदी' गाने पर डांस करते नजर आते हैं तो कभी 'हम पागल नहीं हैं भैया, हमारा दिमाग खराब है' गाने पर झूमते हैं। आधी रात तक थाने में तेज आवाज में गाने बजते रहते हैं। पुलिसकर्मियों ने वकीलों को समझाकर धरना खत्म कराने की कोशिश की, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। दरअसल, यह पूरा मामला अधिवक्ता बृजेश तिवारी के साथ हुई करीब 70 हजार रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ा है। आरोप है कि गाड़ी फाइनेंस कराने के नाम पर एक एजेंट ने उनसे रकम ली, लेकिन फाइनेंस कंपनी में जमा नहीं की और रुपये लेकर फरार हो गया। इस मामले में सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। वकीलों का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की। इसी से नाराज होकर वे आरोपी की गिरफ्तारी और रकम वापस दिलाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस की समझाइश के बावजूद तीन दिन से उनका प्रदर्शन जारी है।

लखनऊ में कार ने ई–रिक्शा को मारी टक्कर, दो की मौत

दुबग्गा में ग्रीन लाइन हॉस्पिटल के सामने हादसा

24 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल



यूनिक समय, लखनऊ। दुबग्गा थाना क्षेत्र में रविवार रात तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने ई–रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई–रिक्शा चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। दुर्घटना रात करीब 9 बजे ग्रीन लाइन हॉस्पिटल के सामने हुई। पुलिस के मुताबिक, ई–रिक्शा दुबग्गा से काकोरी की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से काकोरी की तरफ से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ई–रिक्शा में सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। बाद में दूसरे घायल युवक ने भी दम तोड़ दिया। मृतकों में ई–रिक्शा चालक रकीब (42), निवासी काकोरी, शामिल है। दूसरे मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। हादसे में घायल युवती की पहचान सीतापुर के सिधौली क्षेत्र निवासी शिखा (24) के रूप में हुई है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने रकीब के परिजनों की शिकायत पर कार चालक अतुल कुमार रावत के खिलाफ दुबग्गा थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाराणसी में पटाखों से 100 से ज्यादा घायल, दो युवकों की उंगलियां उड़ी

आंख, चेहरे और हाथ में चोट लेकर अस्पताल पहुंचे लोग



यूनिक समय, लखनऊ। दीपावली की रात आतिशबाजी कई लोगों के लिए दर्दनाक साबित हुई। पटाखे फटने से 100 से ज्यादा लोग ब्लास्ट इंजरी का शिकार होकर अस्पताल पहुंचे। घायलों में बच्चों की संख्या अधिक रही। किसी के चेहरे पर बारूद लगा तो किसी की आंख, नाक और हाथ में चोट आई। दो युवकों के हाथ में पटाखे फटने से अंगूठा और उंगलियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। मंडलीय चिकित्सालय कबीरचौरा की इमरजेंसी में स्वास्थ्य विभाग ने रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक विशेष इंतजाम किए थे। यहां दो मेडिकल ऑफिसर समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. वीके सिंह के मुताबिक, रात 11 बजे तक 40 ब्लास्ट इंजरी के मरीज पहुंच चुके थे। इसके बाद घायलों के आने का सिलसिला जारी रहा। ब्रह्मनाल निवासी 10 वर्षीय संतोष कुमार रात 8:26 बजे पटाखे से घायल होकर अस्पताल पहुंचा था। इसके बाद कई बच्चे आंख, चेहरे और हाथ में चोट लेकर पहुंचे। नाटी इमली की लेबर कॉलोनी निवासी 28 वर्षीय रोहित विश्वकर्मा के हाथ में पटाखा फटने से अंगूठा और एक उंगली बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उसे ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। रात करीब एक बजे एक अन्य युवक को भी हाथ में गंभीर चोट के चलते रेफर किया गया। वहीं, सड़क हादसों में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल होकर अस्पताल पहुंचे। रोहनिया क्षेत्र में हुए हादसे में एक युवक की मौत हो गई। इसके अलावा रेफर मरीजों को एंबुलेंस के लिए 45 मिनट से ज्यादा इंतजार करना पड़ा।

नोएडा में मंगलवार से फिर मिलेगा गंगाजल, 20 दिन बाद बहाल होगी सप्लाई

नोएडा में मंगलवार से फिर मिलेगा गंगाजल

20 दिन बाद बहाल होगी सप्लाई



यूनिक समय, नोएडा। शहर के लोगों को मंगलवार, 10 नवंबर से एक बार फिर गंगाजल मिलने की उम्मीद है। गंगनहर की वार्षिक सफाई और मरम्मत के चलते करीब 20 दिनों से बंद पेयजल आपूर्ति अब बहाल होने जा रही है। हरिद्वार से 7 नवंबर की आधी रात के बाद गंगनहर में पानी छोड़ा गया था, जो गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार स्थित जल शोधन संयंत्रों तक पहुंच गया है। पानी की शोधन प्रक्रिया पूरी होने के बाद नोएडा में सप्लाई शुरू की जाएगी। गंगाजल की आपूर्ति बंद होने से नोएडा के करीब 14 लाख लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान पानी की जरूरत पूरी करने के लिए नलकूपों और रैनीवेल के जरिए आपूर्ति की जा रही थी। सिद्धार्थ विहार में 240 एमएलडी और 120 एमएलडी क्षमता के दो जल शोधन संयंत्र हैं। यहां से मिलने वाले कुल गंगाजल का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा नोएडा में सप्लाई किया जाता है। आपूर्ति बंद होने से पुराने सेक्टरों और सेवन एक्स सोसाइटी में पानी की कमी रही। खासकर ऊंची इमारतों में कम प्रेशर के कारण लोगों को दिक्कत हुई। दरअसल, उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग हर साल मानसून के बाद गंगनहर की सफाई और मरम्मत कराता है। इस दौरान नहर में जमा मिट्टी और गाद निकाली जाती है, जिसके लिए पानी की आपूर्ति रोकनी पड़ती है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक, गंगाजल की सप्लाई बहाल होने के बाद सभी सेक्टरों में जलापूर्ति सामान्य होने की उम्मीद है।

आगरा में आतिशबाजी से 12 जगह लगी आग, जूता फैक्ट्री जलकर राख

पटाखों की चिंगारी से मकान और फल की दुकान भी जली

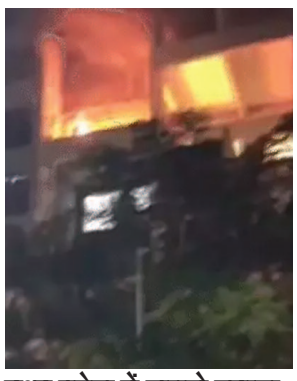
रविवार रात से सोमवार सुबह तक दौड़ती रहीं दमकल की गाड़ियां



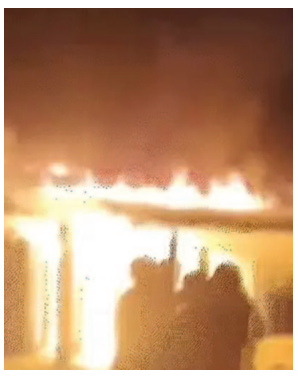
यूनिक समय, आगरा। दीपावली पर हुई आतिशबाजी ताजनगरी के कई इलाकों में मुसीबत बन गई। पटाखों से निकली चिंगारियों के कारण शहर में 12 से अधिक स्थानों पर आग लग गई। इनमें जूता कारखाना, फल की दुकान और मकान भी शामिल हैं। कई जगह आग की ऊंची लपटें उठने से अफरा–तफरी मच गई। रविवार रात से सोमवार सुबह तक दमकल की टीमें आग बुझाने में जुटी रहीं। राहत की बात यह रही कि सभी स्थानों पर समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और कोई जनहानि नहीं हुई। सबसे बड़ी घटना जगदीशपुरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मी नगर में हुई। यहां आतिशबाजी की चिंगारी जूता कारखाने में जा गिरी। कारखाने में रखे केमिकल और चमड़े के सामान के कारण आग तेजी से फैल गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और ऊंची लपटों के साथ धुएं का गुबार उठने लगा। यह देखकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

हालांकि, तब तक कारखाने में काफी नुकसान हो चुका था। इसके अलावा बिचपुरी रेलवे स्टेशन के पास पटाखे की चिंगारी से फल की दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते पूरी दुकान जलकर राख हो गई और उसमें रखा सामान नष्ट हो गया। आवास विकास कॉलोनी में एक मकान में भी आग लगने की सूचना मिली, जिसे दमकल कर्मियों ने समय रहते बुझा दिया। अग्निशमन विभाग को रातभर अलग–अलग इलाकों से आग लगने की सूचनाएं मिलती रहीं। दमकल की गाड़ियां लगातार घटनास्थलों पर पहुंचकर आग बुझाती रहीं।

दीवाली की रात आग का तांडव देशभर में 23 लोगों की मौत







मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा 13 की गई जान

महाराष्ट्र में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत, कई शहरों में दुकानें और मकान जलकर राख

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिवाली की रात देशभर में पटाखों और अन्य कारणों से आग लगने की कई घटनाएं सामने आईं। इन हादसों में कुल 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए और कुछ के लापता होने की खबर है। सबसे ज्यादा नुकसान मध्य प्रदेश में हुआ, जहां तीन अलग–अलग घरों में आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई। वहीं, महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। राजस्थान, दिल्ली, जम्मू और अन्य शहरों में भी आग की घटनाओं ने त्योहार की खुशियों को मातम में बदल दिया। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में एक मकान में आग लगने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें एक महज दो महीने का था। वहीं, सिवनी जिले में सराफा व्यापारी के मकान में आग लगने से छह लोगों की जान चली गई।

इनमें 16 साल का किशोर भी शामिल है। राज्य में आग की घटनाओं में मरने वालों में पांच महिलाएं, तीन पुरुष और चार बच्चे बताए गए हैं। महाराष्ट्र के धाराशिव में एक मकान में आग लगने से परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। मुंबई के लोखंडवाला में भी आग की घटना में एक व्यक्ति की जान चली गई। राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में आग लगने से दो लोगों की मौत हुई, जबकि तीन लोग लापता हैं।

हादसे में तीन दुकानें और कई दोपहिया वाहन जल गए। दिल्ली के नरेला में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। जम्मू के नेहरू मार्केट में गोदाम में लगी आग से 12 से ज्यादा दुकानें जल गईं। नागपुर में टीवीएस शोरूम में आग लगने से कई दोपहिया वाहन जल गए। मुंबई के डोंगरी में कई दुकानें और झुग्गियां आग की चपेट में आ गईं।

ठाणे में 17 मंजिला इमारत में आग लगी, हालांकि किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पुणे में आग की 63 घटनाएं दर्ज की गईं, लेकिन वहां किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली। उत्तर प्रदेश के बांदा में कबाड़ की दुकान में आग लगने से करीब 20 से 25 लाख रुपये का नुकसान हुआ। इसके अलावा असम के जोनाई, सिक्किम के गंगटोक और गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके में भी आग की घटनाएं सामने आईं। दमकल विभाग की टीमें कई जगह राहत और बचाव कार्य में जुटी रहीं।

बंगाल में भतीजी से रेप और मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

चार दिन से फरार था दिलीप रॉय, पुलिस पर चलाई थी गोली

भाजपा सरकार बनने के बाद चौथा एनकाउंटर



यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में 12 साल की भतीजी से दुष्कर्म और हत्या के आरोपी दिलीप रॉय की सोमवार सुबह पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, रायगंज के परापुकुर गांव में आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी की गई थी। इस दौरान दिलीप ने पुलिस पर गोली चला दी, जो वैन के टायर में लगी। जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह घटना के बाद से चार दिन से फरार था। परिवार के मुताबिक, बच्ची 3 नवंबर को साइकिल लेकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। 5 नवंबर को कुलिक नदी के पास जंगल में उसका शव मिला था। परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस के अनुसार, दिलीप बच्ची को नदी दिखाने के बहाने जंगल ले गया था। वह झारखंड का रहने वाला था और बिहार के रास्ते बंगाल से भागने की कोशिश कर रहा था।

पुलिस को आरोपी के बिहार सीमा के पास छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद कार्रवाई की गई। राज्य मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि कानून तोड़ने वालों को पुलिस का सामना करना पड़ेगा। मई में भाजपा सरकार बनने के बाद बंगाल में पुलिस एनकाउंटर में किसी आरोपी की मौत का यह चौथा मामला है। वहीं, आरटीआई के मुताबिक, एक मई से 24 सितंबर के बीच राज्य में दुष्कर्म के 2,454 और हत्या के 600 मामले दर्ज किए गए।

एनवीडिया सीईओ पर जासूसी के शक में जांच, चीनी महिला से अफेयर का दावा

अमेरिकी एजेंसियों को चीन को गोपनीय जानकारी भेजने का संदेह



यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया की प्रमुख चिप कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग को लेकर जासूसी का मामला सामने आया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को शक है कि एलिस हुआंग नाम की चीनी महिला ने उनसे नजदीकी बढ़ाकर अहम जानकारियां चीन भेजीं। दोनों को दो बार ताइवान में साथ देखे जाने का दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हुआंग ने कंपनी के बोर्ड के सामने महिला के साथ अफेयर की बात स्वीकार की और पत्नी–बच्चों से माफी मांगी। बताया गया है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की निगरानी में तैयार गोपनीय रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चीन की खुफिया एजेंसी ने एलिस को हुआंग के करीब पहुंचने के लिए तैयार किया था। अमेरिकी एजेंसियां एक साल से अधिक समय से उस पर नजर रख रही थीं। हालांकि, एनवीडिया के बोर्ड ने कहा है कि अब तक कंपनी या अमेरिकी सुरक्षा से जुड़ी कोई गोपनीय जानकारी लीक होने का प्रमाण नहीं मिला है। मामले की जांच के लिए बाहरी वकील नियुक्त किया जाएगा और हुआंग सीईओ बने रहेंगे। एलिस हुआंग पहले चीन में टीवी रिपोर्टर थी और बाद में सिंगापुर की डेटा सेंटर कंपनी मेगास्पीड में वरिष्ठ पद पर पहुंची। अमेरिकी अधिकारी इस कंपनी के चीन तक प्रतिबंधित एआई चिप पहुंचाने की आशंका की भी जांच कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हुआंग का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें कुछ गलत करते नहीं सुना और वे उन्हें चीन यात्रा पर साथ ले जाएंगे। वहीं, अमेरिकी सांसदों ने मामले की जांच और एडवांस एआई चिप की आपूर्ति पर रोक लगाने की मांग उठाई है।

पाकिस्तान में टीवी एंकर की गोली मारकर हत्या, पति हिरासत में

घर में संदिग्ध हालात में मिली लाश, पति ने कहा गलती से चली गोली

भाई की शिकायत पर हत्या का केस दर्ज



यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के रावलपिंडी में रविवार को 41 वर्षीय टीवी एंकर राबिया अहसान की उनके घर में गोली लगने से मौत हो गई। उन्हें गले के नीचे गोली लगी थी। राबिया के पति ने दावा किया कि बंदूक से गलती से गोली चल गई। हालांकि, उनके भाई की शिकायत के बाद पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने गोली चलाने में इस्तेमाल होने के शक वाली बंदूक भी बरामद की है। सिटी पुलिस अधिकारी हसन सुखेरा के मुताबिक, घटना के समय राबिया की दोनों बेटियां घर के लॉन में अपनी नानी के साथ थीं। पुलिस ने घर में काम करने वाले कर्मचारी से भी पूछताछ की है। सदर बेरूनी थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पंजाब फॉरेंसिक साइंस एजेंसी की टीम ने घर से सबूत जुटाए हैं और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। राबिया एक निजी टीवी चैनल में एंकर और कार्यक्रम होस्ट थीं। उन्होंने वरिष्ठ पत्रकार आमिर मतीन और क्लासरा के साथ भी कार्यक्रम किया था। पाकिस्तान के राष्ट्रपति की पत्नी आसिफा भुट्टो जरदारी ने घटना पर दुख जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। सांसद शेरी रहमान ने भी महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता जताई। पाकिस्तान के मानवाधिकार मंत्रालय के अनुसार, 2021 से 2024 के बीच महिलाओं के खिलाफ हिंसा के 1.73 लाख से ज्यादा मामले दर्ज हुए।

पटाखे चलाने से रोकने पर दरोगा की पीटकर हत्या, तीन गिरफ्तार

तमिलनाडु के थेनी में सादे कपड़ों में घर लौट रहे थे सेंथिल कुमार

सड़क पर पटाखे चलाने से युवकों को किया था मना

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु के थेनी जिले में सड़क पर पटाखे चलाने से रोकने पर एक दरोगा की मारपीट में मौत हो गई। मृतक की पहचान सेंथिल कुमार के रूप में हुई है। वह रविवार रात ड्यूटी पूरी करने के बाद सादे कपड़ों में घर लौट रहे थे। रास्ते में उन्होंने कुछ युवकों को सड़क पर पटाखे चलाते देखा। उन्होंने युवकों से कहा कि इससे राहगीरों को परेशानी होती है और सड़क से हटने को कहा, लेकिन वे नहीं माने। साउथ जोन आईजी विजयेंद्र बिदारी के मुताबिक, सेंथिल कुमार युवकों की हरकत मोबाइल में रिकॉर्ड करने लगे। इसी दौरान एक युवक को पकड़ने की कोशिश में किसी व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया। इससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वह जमीन पर गिर पड़े। पुलिस टीम उन्हें अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सेंथिल कुमार थेनी के डीएसपी कार्यालय में तैनात थे। पुलिस ने बताया कि उन्हें पहले से दिल की बीमारी थी। मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, तिरुचिरापल्ली जिले में दिवाली के दिन अलग–अलग घटनाओं में तीन लोगों की हत्या हुई। इनमें दो 17 वर्षीय किशोर शामिल हैं। पहली घटना में समयपुरम टोल प्लाजा के पास दो किशोरों पर धारदार हथियार से हमला किया गया। दूसरी घटना में चेन्नई की आईटी कंपनी में काम करने वाले 20 वर्षीय युवक की पटाखे जलाने को लेकर हुए विवाद में लोहे की रिंच से हमला कर हत्या कर दी गई।

दीवाली के बाद दिल्ली–एनसीआर की हवा जहरीली, एक्यूआई 418 पर पहुंचा

प्रयागराज, गोरखपुर और लखनऊ में एक्यूआई 500

यूपी में बढ़ने लगी ठंड राजस्थान के बाड़मेर में पारा 38 डिग्री के पार



यूनिक समय, नई दिल्ली। दिवाली की रात जमकर हुई आतिशबाजी का असर सोमवार सुबह दिल्ली–एनसीआर समेत देश के कई शहरों में दिखाई दिया। दिल्ली–एनसीआर की हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच गई और कई इलाकों में घना स्मॉग छाया रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के पटपड़गंज में एक्यूआई 418, आईटीओ में 406, राजीव चौक पर 381 और साउथ एक्सटेंशन के आसपास 360 दर्ज किया गया। गुरुग्राम में भी एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया। उत्तर प्रदेश में स्थिति और चिंताजनक रही। सोमवार सुबह सात बजे प्रयागराज, गोरखपुर और लखनऊ का एक्यूआई 500 के पार दर्ज किया गया। नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर और वाराणसी समेत 10 शहरों में हवा खतरनाक स्तर पर पहुंच गई। प्रदेश के 15 से ज्यादा शहरों में घना कोहरा छाया रहा और रात का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले तीन दिनों में ठंड और बढ़ सकती है। मध्य प्रदेश में भी सर्दी का असर बढ़ रहा है। भोपाल, इंदौर और जबलपुर समेत 15 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। इंदौर में दिवाली की रात एक्यूआई 320 तक पहुंच गया। वहीं, राजस्थान में नवंबर के महीने में भी गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ा। बाड़मेर में रविवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। पंजाब में भी लुधियाना का एक्यूआई 300 और मंडी गोबिंदगढ़ का 399 रहा। उत्तराखंड के केदारनाथ–बद्रीनाथ में तापमान माइनस 9 डिग्री तक पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ में अगले दो दिनों में रात का पारा एक से दो डिग्री और गिर सकता है।

20 क्विंटल फूलों से सजा केदारनाथ मंदिर, भक्तों को लुभा रही भव्य छटा

दीपावली पर गेंदे के फूलों से किया गया बाबा केदारनाथ का श्रृंगार

11 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद होंगे मंदिर के कपाट



यूनिक समय, नई दिल्ली। दीपावली के पावन अवसर पर बाबा केदारनाथ मंदिर को करीब 20 क्विंटल गेंदे के फूलों से सजाया गया है। फूलों की खूबसूरत सजावट से मंदिर परिसर महक उठा है।

चारों ओर बर्फ से ढकी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच फूलों से सजे मंदिर की भव्य छटा श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है। दीपावली का पर्व बाबा केदारनाथ के धाम में मनाने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु मंदिर के भव्य श्रृंगार के दर्शन कर बाबा के जयकारे लगा रहे हैं। केदारनाथ मंदिर को दीपावली पर फूलों से सजाने की परंपरा हर साल निभाई जाती है। मंदिर के कपाट खुलने और शीतकाल के लिए बंद होने से पहले विशेष सजावट की जाती है। इस वर्ष 11 नवंबर को सुबह 8:30 बजे बाबा केदारनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने बताया कि मंदिर समिति की ओर से बाबा केदारनाथ के मंदिर को फूलों से सजाया गया है।

दीपावली पर प्रदूषण का कहर सांसों पर मंडराया खतरनाक संकट

आतिशबाजी के धुएं से आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी

रात में 618 तक पहुंचा एक्यूआई



सोमवार सुबह छह बजे फरह कस्बा के पथवारी मंदिर के समीप जलाया जा रहा कूड़ा।

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर आतिशबाजी ने खुशियों के बीच हवा में जहर घोल दिया। पटाखों से निकले विषैले धुएं के कारण शहर समेत समूचे जिले की आबोहवा बिगड़ गई और लोगों की सांसों पर संकट मंडराने लगा। आंखों में जलन और पानी आने के साथ लोगों को सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। रविवार रात प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच गया। एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 618 तक जा पहुंचा। सोमवार सुबह भी राहत नहीं मिली। हालांकि दोपहर में हवा चलने से प्रदूषण के स्तर में कुछ गिरावट दर्ज की गई।

आतिशबाजी के कारण रविवार रात एक्यूआई 618 दर्ज किया गया। सोमवार सुबह छह बजे यह 588 और सुबह नौ बजे 519 पर रहा। इस दौरान हवा में प्रदूषक तत्वों की मात्रा बढ़ने से वातावरण दमघोंटू हो गया। पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे सूक्ष्म कणों ने हवा की गुणवत्ता को बेहद खराब कर दिया। पटाखों से निकलने वाले धुएं के कारण सुबह टहलने निकले लोगों और घरों से बाहर आने वालों को भी परेशानी महसूस हुई।

प्रदूषण के बढ़ते स्तर का असर लोगों की सेहत पर भी दिखाई दिया। आंखों में जलन, गले में खराश और सांस लेने में दिक्कत जैसी शिकायतें सामने आईं। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और सांस संबंधी परेशानी से जूझ रहे लोगों के लिए स्थिति चिंताजनक रही। हवा में प्रदूषक कणों की अधिकता ने खुले में निकलना भी मुश्किल कर दिया।

हालांकि सोमवार दोपहर बयार चलने से प्रदूषण के स्तर में कुछ कमी आई। दोपहर दो बजे एक्यूआई घटकर 260 दर्ज किया गया। इसके बावजूद हवा की गुणवत्ता सामान्य नहीं हो सकी। प्रदूषण विशेषज्ञ ने अगले दो से तीन दिन तक प्रदूषण का स्तर इसी तरह बने रहने की आशंका जताई है। ऐसे में लोगों को अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

दीपावली की खुशियां मातम में बदलीं, दो युवकों ने दी जान

चौबीस घंटे के भीतर बल्देव और कोसीकलां में हुईं घटनाएं

एक युवक खेत की रखवाली करने गया था, दूसरा नाराज होकर घर से निकला

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर जहां घरों में खुशियों और उल्लास का माहौल था, वहीं जनपद में दो परिवारों की खुशियां मातम में बदल गईं। चौबीस घंटे के भीतर बल्देव और कोसीकलां थाना क्षेत्र में दो युवकों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों घटनाओं से परिवारों में कोहराम मच गया।

पुलिस के अनुसार, कोसीकलां के गांव धानौता निवासी बृजेश (22) दीपावली की रात खेत की रखवाली करने गया था। रात में उसने खेत पर खड़े एक पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी। सुबह ग्रामीणों ने उसका शव पेड़ पर लटका देखा तो गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिजनों ने भी इस संबंध में कोई जानकारी होने से इनकार किया है।

दूसरी घटना बल्देव थाना क्षेत्र के गांव झरौठा की है। यहां भोला (20) किसी बात से नाराज होकर घर से चला गया था। बाद में उसने गांव के बाहर कोल्ड स्टोर के समीप एक पेड़ पर फंदा लगा लिया। जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे नीचे उतारकर जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

दामोदर सिंह ने पुलिस को सूचना दी कि भोला उसका चचेरा भाई था। पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचकर शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

केशव देव के भक्तों ने कराया प्रसादी का आयोजन



गौरी गोपाल आश्रम में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु।

गौरी गोपाल आश्रम में भजन संध्या

हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की प्रसादी

यूनिक समय, वृंदावन। दीपावली पर्व पर केशव देव के भक्तों की ओर से गौरी गोपाल आश्रम में भजन संध्या और भंडारे का आयोजन किया गया। अन्नदान महादान और नर सेवा नारायण सेवा के संकल्प के साथ वृंदावन पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं को मिष्ठान प्रसादी वितरित की गई। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान आयोजित भजन संध्या में भक्त भजनों की धुन पर झूमते नजर आए।

कार्यक्रम का शुभारंभ केशव देव के भक्तों ने ठाकुर केशव देव और गौरी गोपाल की छवि पर पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद भजन गायकों ने अपनी प्रस्तुतियों से भक्तिमय माहौल बना दिया।

मनमोहन आगरा ने 'वृंदावन में नाचे मोर, मैं भी नाचूंगी', दीपक शर्मा ने 'तेरी राजधानी ना भावे राणा, वृंदावन जाऊंगी', बनवारी लाल शर्मा ने 'जब मन भारी हो जाए, सीताराम गाइये' और राजकुमार कपड़ा ने 'कान्हा मैंने बुलाया नहीं आओ' भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भजनों की स्वर लहरियों के बीच श्रद्धालु नृत्य करते और ठाकुर जी के जयकारे लगाते नजर आए।

आयोजन में राजकुमार अग्रवाल, महेश गोयल, सुरेश चंद्र अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, राजू हाथी वाले, सुनील सर्राफ, मदन मोहन साड़ी और दिनेश लोहे वाले सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

विधानसभा मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्यक्रम संशोधित

17 नवंबर को होगा प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन

16 दिसंबर तक दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे मतदाता

यूनिक समय, मथुरा। भारत निर्वाचन आयोग ने अर्हता तिथि एक जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में संशोधन किया है। संशोधित समय-सारिणी के अनुसार अब एकीकृत प्रारूप निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 17 नवंबर को किया जाएगा। इसके बाद मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक का समय निर्धारित किया गया है। जिला सहायक निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल ने बताया कि आयोग की ओर से पुनरीक्षण कार्यक्रम की संशोधित तिथियां जारी कर दी गई हैं। इसके तहत मतदान केंद्रों का युक्तिकरण-पुनर्व्यवस्थीकरण दो नवंबर तक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही रहेगा। वहीं, दावे और आपत्तियों के निस्तारण की अंतिम तिथि 28 दिसंबर निर्धारित की गई है। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन चार जनवरी 2027 को होगा। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। निर्धारित अवधि में पात्र नागरिक अपने नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के साथ ही दर्ज विवरण में संशोधन करा सकेंगे।

सोने-चांदी के आभूषणों का जखीरा बरामद 459 ग्राम नशीला पाउडर भी मिला

यूनिक समय, वृंदावन। गोवर्धन पूजा पर सोमवार को यमुना में मोरपंख निकालने के दौरान एक युवक हादसे का शिकार हो गया। नदी में मोरपंख निकालने के लिए कूदे युवक का पैर स्टीमर के पंखे की चपेट में आ गया। हादसे में उसका पैर बुरी तरह जख्मी हो गया। घायल युवक को उपचार के लिए ले जाया गया, जहां उसके टांके लगाने पड़े। गोवर्धन पूजा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुना में मोरपंख विसर्जित करते हैं। इसके बाद कुछ युवक नदी में उतरकर इन मोरपंखों को निकालते हैं, श्रद्धालुओं को बेचते हैं। सोमवार को भी एक युवक मोरपंख निकालने के लिए यमुना में कूद गया। इसी दौरान उसका पैर वहां चल रहे स्टीमर के पंखे में आ गया।

150 स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर दिया स्वच्छ ब्रज का संदेश



कचरा एकत्र करती मां, स्वच्छता की अपील करता बेटा।

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर्व पर ब्रज की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को स्वच्छ-संरक्षित रखने का संकल्प लेकर 150 स्वयंसेवक राधाकुंड पहुंचे। 'ब्रज वैभव अभियान' के अंतर्गत 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' संदेश के साथ 'ब्रज रज सेवा' स्वच्छता-ध्यान अभियान चलाया गया। विभिन्न शहरों से आए स्वयंसेवकों ने राधाकुंड और श्यामकुंड की परिक्रमा परिधि, परिक्रमा मार्ग और आसपास के सार्वजनिक स्थलों पर श्रमदान किया। अभियान ने संदेश दिया कि ब्रज की पवित्रता केवल आस्था से नहीं, बल्कि उसे स्वच्छ रखने की सामूहिक जिम्मेदारी निभाने से भी बनी रहेगी।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, नगर निगम और हार्टफुलनेस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में अभियान का शुभारंभ कुम्हार मोहल्ला स्थित हार्टफुलनेस ध्यान केंद्र के निकट से हुआ। स्वयंसेवकों ने समूहों में सफाई कर कचरा एकत्र किया। इस दौरान लोगों को सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न फैलाने और तीर्थस्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

अभियान में स्वच्छता के साथ ध्यान सत्र भी आयोजित हुए। हार्टफुलनेस के अभ्यासियों और स्थानीय जिज्ञासुओं ने हृदय आधारित ध्यान का अनुभव किया। अभियान में आगरा, सहारनपुर, दिल्ली, देहरादून, इगलास, हाथरस, मथुरा, छाता, सहार, गोवर्धन, राधाकुंड, जयपुर, भरतपुर, राजगढ़, डीग, बहज, दौसा और अलवर सहित विभिन्न क्षेत्रों के स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

'ब्रज रज सेवा' अभियान में राधाकुंड-श्यामकुंड की परिक्रमा मार्ग संवारे, सेवा और साधना के साथ जनभागीदारी का आह्वान

संत काशीराम दास ने स्थानीय नागरिकों से स्वच्छता अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

विधायक मेघश्याम सिंह, एसडीएम संजय सिंह, सीओ अनिल कुमार और गोवर्धन नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष लंबरदार ने अभियान की सराहना करते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। राधाकुंड नगर पंचायत अध्यक्ष रामफल, वार्ड सदस्यों, प्रबंधक और सफाई कर्मचारियों ने भी सहयोग किया।

पटाखे चलाने को लेकर दो पक्षों में भिड़ंत, चले लाठी-डंडे

मारपीट में कई लोग हुए घायल, पुलिस ने चार आरोपियों को पकड़ा

गांव महुवन में नाल चलाने से मना करने पर हमला सिर फोड़ा

यूनिक समय, फरह। दीपावली पर पटाखे चलाने को लेकर दो गांवों में विवाद हो गया। नगला मुन्नी में दो परिवारों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर मारपीट हुई।

इस दौरान लाठी-डंडे भी चले, जिसमें कई लोग चोटिल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के चार लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

वहीं, गांव महुवन में नाल बम चलाने से मना करने पर आरोपितों ने एक व्यक्ति पर हमला कर उसका सिर फोड़ दिया।

बताया गया कि नगला मुन्नी में दीपावली के दिन घर के बाहर पटाखे चलाने को लेकर विष्णु और सुंदर के परिवारों के बीच कहासुनी हो गई।

देखते ही देखते विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर टूट पड़े। मारपीट में दोनों तरफ के कई लोगों को चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

पुलिस ने एक पक्ष के विष्णु, उसके पक्ष के नवल और उदय तथा दूसरे पक्ष के सुंदर को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। बाद में चारों को कोर्ट में पेश किया गया।

वहीं, दूसरा विवाद गांव महुअन में हुआ, जहां आरोपितों ने लोहे की नाल बम से हमला कर एक व्यक्ति का सिर फोड़ दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि दीपावली पर शाम को विक्रम पक्ष का एक लड़का जुगेंद्र के मकान के समीप लोहे की नाल में गंधक- पोटाश भरकर चला रहा था।

तेज धमाकों से परेशान जुगेंद्र ने उससे आगे चलाने को कहा तो विवाद हो गया।

विक्रम पक्ष के कई लोग मौके पर आ गए। लोहे की नाज से जुगेंद्र पर हमला कर दिया।

सिर में दो-तीन बार लोहे की नाल मारने से जुगेंद्र लहुलुहान हो गया।

हाईवे पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर नकबजन 22 लाख के जेवर बरामद

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे पुलिस ने नकबजनी की घटनाओं में संलिप्त एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 22 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण और 459 ग्राम नशीला पाउडर (एल्प्राजोलम) बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गश्त के दौरान गांव अड़ूकी जाने वाले रास्ते पर खाली पड़े प्लाट के समीप से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान श्याम सुंदर निवासी शांतिनगर, दामोदरपुरा थाना सदर बाजार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से सोने का एक हार, चार अंगूठियां, दो चेन, चार कंगन, एक पेंडल और एक जोड़ी झुमकी बरामद हुई। इसके अलावा चांदी की दो जोड़ी तोड़ियां, बिछुए, चांदी के सिक्के और लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां भी मिलीं। आरोपी के कब्जे से एक आधार कार्ड और 459 ग्राम एल्प्राजोलम पाउडर भी बरामद किया गया। पुलिस आरोपी से बरामद आभूषणों के संबंध में पूछताछ कर रही है।